संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 53 मंगलवार 24 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

पूर्व न्यायाधीश जस्टिस वी. रामासुब्रमण्यम बने एनएचआरसी के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली,23 दिसम्बर 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस वी. रामासुब्रमण्यम राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष बनाए गए हैं।

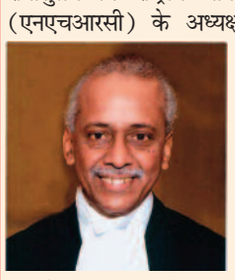

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश वी. रामा सुब्रमण्यम को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का नया अध्यक्ष बनाया गया है। एनएचआरसी के अध्यक्ष पद के लिये भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ का नाम भी सरकार की सूची में शामिल था, लेकिन एनएचआरसी के अध्यक्ष पद के लिए जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने सरकार के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस वी. रामासुब्रमण्यम को इस पद पर नियुक्त किया गया।

गृह मंत्री अमित शाह को देश से मांगनी पड़ेगी माफी:सचिन पायलट

नोएडा,23 दिसम्बर 2024 (ए)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया है और इसके लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए तथा पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।सचिन पायलट ने यहां एक प्रेस वार्ता में कहा, संसद सत्र में संविधान की 75 साल की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री ने अपने भाषण में बाबासाहेब का अपमान किया है। इस बयान से सभी आहत हैं।

सांसदों के धक्का-मुक्की का मामला गर्म

- सांसदों के धक्का-मुक्की मामले में सीआईएसएफ का जवाब...
- कहा- कोई चूक नहीं हुई...
- धक्का-मुक्की मामले की जांच नहीं कर रहा है बल...
- हर जवान को मिली ट्रेनिंग,संसद की सुरक्षा सर्वोपरि...

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर 2024 (ए)। संसद परिसर में सांसदों के बीच हुई धक्कामुक्की मामले में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। सोमवार को सीआईएसएफ ने कहा कि उसकी ओर से कोई चूक नहीं हुई है। हालांकि सांसदों के आरोप पर वह चुप रहना ही पसंद करेगा।

बता दें कि संसद भवन परिसर की सुरक्षा का जिम्मा सीआईएसएफ के पास है। सीआईएसएफ के डीआईजी श्रीकांत किशोर ने कहा कि घटना के दौरान बल ने उचित तरीके से और तय प्रोटोकॉल के अनुसार काम किया। झड़प के समय सीआईएसएफ की ओर से कोई चूक नहीं हुई।

प्रोटोकॉल के मुताबिक नहीं होती सांसदों की जांच

श्रीकांत किशोर ने कहा कि संसद में आने वाले सभी सांसदों की जांच प्रोटोकॉल के मुताबिक नहीं की जाती है। इसी साल जून में संसद भवन परिसर की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को मिली थी। सीआईएसएफ के खिलाफ शिकायतों के सवाल पर किशोर ने कहा कि सांसद, परिसर में काम करने वाले कर्मचारी और आगंतुक काम से बहुत संतुष्ट और खुश हैं।

जवानों को दी गई उचित ट्रेनिंग

श्रीकांत किशोर ने कहा कि हमने अपने जवानों को संसद की सुरक्षा के लिए उचित ट्रेनिंग दी है। सांसदों समेत सभी लोग परिसर की सुरक्षा को और बेहतर बनाने में योगदान दे रहे हैं। संसद की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने आगे कहा कि संसद का सुरक्षा विभाग सत्र के दौरान सदन में एक सीट से मिली नकदी समेत सुरक्षा से जुड़े अन्य सवालों का जवाब देने में सक्षम है।

हथियारों को अंदर नहीं जाने दिया गया

सीआईएसएफ के उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) श्रीकांत किशोर ने एक कॉन्फ्रेंस में कहा,सीआईएसएफ की तरफ से कोई चूक नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि चूक से आपका मतलब है कि कुछ हथियारों को अंदर जाने दिया गया है तो मैं आपको बता सकता हूं कि किसी भी हथियार को अंदर जाने की अनुमति नहीं गई। किशोर ने कहा कि जब सांसद आरोप लगाएंगे तो बल चुप रहना पसंद करेगा।

त्रिपुरा के 200 करोड़ रुपये नहीं दे रहा बांग्लादेश

- एक झटके में हो जाएगा पूरे मुल्क में अंधेरा

त्रिपुरा,23 दिसम्बर 2024 (ए)। शेख हसीना का तख्तापलट करने के बाद बांग्लादेश की नई सरकार की नजर में भारत चुभता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के प्रति बांग्लादेशी सरकार या उसके समर्थित लोगों लफ्जी हमले तेज होते जा रहे हैं। लेकिन वो ये भूल रहा है कि भारत के कितने अहसान उसकी बुनियादों पर हैं. पाकिस्तान से आजाद करवाना तो पुरानी बात है, इसके अलावा वर्तमान समय में बांग्लादेश पर सिर्फ त्रिपुरा राज्य का 200 करोड़ रुपये बकाया है।

हर दिन बढ़ रहा कर्ज

राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि पड़ोसी देश को बिजली आपूर्ति रोकने पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड के माध्यम से त्रिपुरा राज्य विद्युत निगम लिमिटेड पड़ोसी देश को 60-70 मेगावाट बिजली की आपूर्ति करता है। इसके लिए बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड के साथ एक समझौता किया गया है. साहा ने कहा,बांग्लादेश ने हमें बिजली आपूर्ति के लिए लगभग 200 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है। बकाया राशि हर दिन बढ़ रही है। हमें उम्मीद है कि वे अपना बकाया चुका देंगे, ताकि बिजली आपूर्ति बाधित न हो।

कब सप्लाई होगा बांग्लादेश को बिजली

यह पूछने पर कि यदि ढाका बकाया भुगतान करने में विफल रहता है, तो क्या त्रिपुरा सरकार बिजली की आपूर्ति रोक देगी? मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में बिजली उत्पादन संयंत्र की स्थापना के लिए कई मशीनरी बांग्लादेशी इलाके या चटगांव बंदरगाह के माध्यम से लाई गई थी। त्रिपुरा सरकार ने एक समझौते के बाद देश को बिजली की आपूर्ति शुरू कर दी। उन्होंने कहा,...मुझे नहीं पता कि अगर वे बकाया रकम का भुगतान नहीं करते हैं तो हम बांग्लादेश को कब तक बिजली की आपूर्ति जारी रख पाएंगे। त्रिपुरा ने मार्च 2016 में बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति शुरू की थी।

मणिशंकर अय्यर फिर चर्चा में

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर 2024 (ए)। अकसर अपने विवादित बयानों के चलते चर्चा में रहने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने अपनी जीवनी का दूसरा अंश रिलीज किया है। इसमें उन्होंने कांग्रेस के भविष्य, गठबंधन राजनीति समेत कई अहम मुद्दों पर भी बात की है। इस तरह अय्यर ने अपनी राजनीतिक जीवनी के साथ ही कांग्रेस से भी जुड़ी कई चीजों को उजागर किया है। इस बीच पुस्तक पर चर्चा के दौरान अय्यर ने प्रियंका गांधी और राहुल गांधी की तुलना नेहरू और पटेल की जोड़ी से की है।

केंद्र सरकार के इजाजत के बिना नहीं दे सकेंगे लोन

- जबरन लोन देने वाले ऐप्स होंगे बैन...लगेगा करोड़ों का जुर्माना

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर 2024 (ए)। केंद्र सरकार बिना अनुमति के लोन देने वाले ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है। सरकार ने इस योजना को लेकर एक मसौदा विधेयक पेश किया है। इस बिल में नियम उल्लंघन करने वाले ऑनलाइन लोन ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है. इसके साथ ही 1 करोड़ रुपए फाइन और 10 साल जेल का भी प्रस्ताव है।यह विधेयक ऐसे समय में आया है, जब धोखाधड़ी वाले लोन ऐप अपने जबरन वसूली के तरीकों, उच्च ब्याज दरों और छिपी हुई फीस के कारण चिंता का विषय बन गए हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। ये उपाय सबसे पहले भारतीय रिजर्व बैंक के डिजिटल लेंडिंग पर काम करने वाले समूह की नवंबर 2021 की रिपोर्ट में सुझाए गए थे।

सरकार के मसौदा विधेयक का उद्देश्य क्या है?

केंद्र सरकार के इस मसौदा विधेयक का शीर्षक है अनियमित ऋण गतिविधियों पर प्रतिबंध इस विधेयक का उद्देश्य या किसी अन्य नियामक निकाय से अनुमति लिए बिना लोगों को ऋण देने वाले व्यक्तियों और कंपनियों पर प्रतिबंध लगाना है।

सरकार के मसौदा विधेयक से जुड़ी खास बातें

इस विधेयक में डिजिटल ऋण देने वाले प्लेटफॉर्म को भी शामिल किया गया है। अनधिकृत प्लेटफॉर्म कानूनी तौर पर ऋण नहीं दे सकते। अनधिकृत ऋण देने पर 7 से 10 साल की कैद और 2 लाख से 1 करोड़ रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

वहीं,अगर ऋ णदाता जबरन वसूली के तरीके अपनाते हैं, तो उन्हें 3 से 10 साल की जेल की सजा होगी। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़े या बड़ी रकम से जुड़े मामलों को सीबीआई को सौंप दिया जाएगा।

बेटी की ससुराल में घरवालों और दोस्तों का टिके रहना भी क्रूरता

कोलकाता हाईकोर्ट ने मंजूर की तलाक की अर्जी

कोलकाता,23 दिसम्बर 2024 (ए)। कोलकाता हाईकोर्ट ने 19 दिसंबर को एक अहम फैसले में कहा कि अगर पत्नी के रिश्तेदार या दोस्त लंबे समय तक उसकी ससुराल में रहते हैं, तो यह पति के लिए क्रू रता मानी जा सकती है। अदालत ने इसी आधार पर एक व्यक्ति की तलाक की अर्जी को मंजूरी दी।कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अगर पत्नी के परिवार के सदस्य या दोस्त पति की इच्छा के खिलाफ उसके घर में लंबे समय तक रहते हैं, तो इससे पति की मानसिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है। यहां तक कि जब पत्नी खुद भी घर में नहीं होती, तो रिश्तेदारों की उपस्थिति से पति की जिंदगी में असुविधा हो सकती है।

यह मामला 2008 का है, जब पति ने शादी के तीन साल बाद ही तलाक के लिए अर्जी दी थी। दोनों की शादी पश्चिम बंगाल के नाबाद्वीप में हुई थी, और बाद में वे कोलाघाट चले गए, जहां पति काम करता था। 2008 में पत्नी ने कोलकाता के नारकेलडांगा में रहने का निर्णय लिया, यह स्थान सियालदह के पास था, जहां वह काम करती थी। हालांकि, उसने यह दावा किया कि वह अपने पति से दूर इसलिए हुई थी क्योंकि वह असहाय महसूस करती थी।

कंटेनर ट्रक लग्जरी वोल्वो कार दुर्घटना में 6 की मौत

बेंगलुरु,23 दिसम्बर 2024 (ए)। बेंगलुरु के बाहरी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 एक भीषण हादसा हुआ, जिसमें एक सीईओ के परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। एक भारी कंटेनर ट्रक अनियंत्रित होकर उनकी लग्जरी वोल्वो कार पर पलट गया। कार में सवार सभी 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसा बेंगलुरु के नेलमंगला में हुआ। हादसे में मृत परिवार के लोग अपनी लग्जरी कार से विजयपुरा जा रहे थे। इस हादसे में परिवार के 2 बच्चे भी मारे गए हैं। बेंगलुरु में हुए इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आ गया है.। फुटेज में साफ नजर आ रहा है कि एक ट्रक की कहीं जोरदार टक्कर होती है और फिर इसके बाद वह एक कार पर पलट जाता है। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर का कहना है कि ट्रक के आगे एक कार थी। टक्कर से बचने के लिए उसने स्टीयरिंग व्हील को सड़क के डिवाइडर की तरफ मोड़ दिया, जिसके कारण दुर्घटना हुई। पुलिस के मुताबिक डिप्टी एसपी रैंक के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है।

लखनऊ में बैंक लूट में शामिल आरोपी का एनकाउंटर

- 42 लॉकर काटे, सायरन तक नहीं बजा

लखनऊ,23 दिसम्बर 2024 (ए)। लखनऊ में इंडियन ओवरसीज बैंक की लूट में शामिल आरोपियों का पुलिस के साथ एनकाउंटर हुआ। इस मुठभेड़ में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि तीन अन्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ये सभी आरोपी बीते दिन बैंक लूट की वारदात में शामिल बताए जा रहे हैं।

यह घटना लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र में अयोध्या हाइवे के पास स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक की है, जहां रविवार शाम हड़कंप मच गया। बैंक मैनेजर ने पुलिस को सूचना दी कि बैंक में चोरी हो गई है। बदमाशों ने बैंक के लॉकर रूम को गैस कटर से काटा और 90 लॉकरों में से 42 लॉकर खोलकर उसमें रखे गए करोड़ों रुपये के जेवरात लेकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, यह एनकाउंटर चिनहट इलाके के जलसेतु के पास हुआ, जिसमें अरविंद कुमार नाम का एक बदमाश घायल हो गया, जबकि दो अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। ये सभी बदमाश लखनऊ में ओवरसीज बैंक के लॉकरों की लूट में शामिल थे। घायल बदमाश अरविंद कुमार बिहार का निवासी है। डीसीपी ईस्ट जोन शशांक सिंह ने बताया कि पुलिस ने बदमाशों की पहचान करने के बाद उन्हें गिरफ्तार करने के लिए एक ऑपरेशन शुरू किया। जब पुलिस ने बदमाशों को रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश घायल हो गया। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए बदमाशों से हथियार और अन्य सामग्री भी बरामद की है।

पीलीभीत में एनकाउंटर, मारे गए 3 वांटेड खालिस्तानी आतंकवादी

पीलीभीत,23 दिसम्बर 2024 (ए)। पंजाब के गुरदासपुर जिले में एक पुलिस चौकी पर कथित रूप से हमला करने के आरोपी तीन खालिस्तानी आतंकवादी उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारे गए।

पुलिस के अनुसार, गुरविंदर सिंह, वीरेंद्र सिंह और जसनप्रीत सिंह नामक आरोपियों का संबंध खालिस्तान कमांडो फोर्स नामक प्रतिबंधित संगठन से था। पुलिस ने उनके कब्जे से दो एके-47 राइफल और एक ग्लॉक पिस्तौल भी जब्त की है। जानकारी अनुसार पंजाब और यूपी पुलिस ने एक संयुक्त ऑपरेशन के तहत यह कार्रवाई की है। तीन आर्तकियों के एनकाउंटर को दोनों राज्यों के पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है। एनकाउंटर जिले के पूरनपुर इलाके में हुआ है। ऐसे में एक्शन में आते हुए पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर इलाके के घेराबंदी की। उन्होंने आतंकवादियों को चेतावनी देते हुए उन्हें सरेंडर करने को कहा लेकिन वे इसके लिए तैयार नहीं हुए। ऐसे में पुलिस और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गया, जिसमें तीनों खालिस्तानी आतंकवादी मारे गए।

बांग्लादेश से आया भारत को लेटर

- शेख हसीना को वापस भेजने की मांग

दिल्ली,23 दिसम्बर 2024 (ए)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत से शेख हसीना को वापस भेजने की मांग की है। मोहम्मद यूनुस की लीडरशिप वाली सरकार ने भारत को एक डिप्लोमैटिक नोट भेजने की पुष्टि की है, जिसमें मांग की गई है कि शेख हसीना को ढाका भेजा जाए। फिलहाल बांग्लादेश की पूर्व पीएम दिल्ली में ही किसी अज्ञात स्थान पर रह रही हैं। इसी साल 5 अगस्त को भड़की खूनी हिंसा के बीच वह दिल्ली आ गई थीं। उन्हें बांग्लादेश की वायुसेना का ही एक विमान गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस तक छोड़कर गया था। तब से वह भारत में ही हैं। उन्होंने हाल ही में वर्चुअल माध्यम से ही अपनी पार्टी अवामी लीग के एक कार्यक्रम को संबोधित किया था।

शेख हसीना की सरकार का 5 अगस्त को 16 साल बाद तख्तापलट हो गया था। उन्हें भारत के साथ अच्छे रिश्तों, उदारवादी नीतियों और अन्य दलों के मुकाबले थोड़ा सेकुलर राजनीति के लिए जाना जाता है। ढाका स्थित इंटरनेशनल क्राइम ट्राइब्यूनल ने शेख हसीना के खिलाफ अरेस्ट वॉरंट जारी किया है। उनके अलावा कई पूर्व कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों, सैन्य एवं न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ भी वॉरंट जारी किए गए थे। 77 साल की शेख हसीना को भारत से वापस भेजे जाने की मांग बांग्लादेश सरकार कई बार कर चुकी है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, हमने भारत सरकार को एक डिप्लोमैटिक नोट भेजा है। हमारी मांग है कि शेख हसीना को वापस बांग्लादेश भेजा जाए ताकि उनके खिलाफ न्यायिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके।

संपादकीय

विपक्ष की यह आलोचना जायज है...

इतने बड़े स्तर पर गहराते जा रहे शक को कौन दूर करेगा? आयोग ने भी कभी आत्म-निरीक्षण करने की जरूरत महसूस नहीं की है। क्या उसके आचरण भी संदेह का कारण हैं? इन प्रश्नों पर उसे गंभीरता से सोचने की जरूरत है।भारतीय निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन की चुनाव गड़बड़ी संबंधी शिकायतों को सिरे से खारिज कर दिया है। आयोग का यह जवाब अपेक्षित ही था। आयोग के मुताबिक उसे राज्य के 36 जिला अधिकारियों से रिपोर्ट मिल चुकी हैं। इनके मुताबिक सभी 288 सीटों पर ईवीएम वोटों और वीवीपैट में दर्ज मतों का मिलान करने पर उनमें कोई विसंगति नहीं मिली। आयोग की बातें सच हैं या नहीं, यहां असल मुद्दा यह नहीं है। विपक्ष की यह आलोचना जायज है कि ईवीएम में गड़बड़ी या चुनाव प्रक्रिया के दूषित होने का सवाल वह तभी उठाता है, जब उसकी हार हो जाती है। जहां विपक्षी दल जीत जाते हैं, वहां वे नतीजे को बिना किसी एतराज के गले लगा लेते हैं।साथ ही संगठन, चुनाव अभियान, एवं मतदाताओं का भरोसा जीतने में रह गई अपनी कमियों का कभी ठोस आकलन वे नहीं करते। इसके बावजूद मसला यह है कि भारत की चुनाव प्रक्रिया को लेकर संबंधित हितधारकों के एक बड़े हिस्से में संदेह पैदा हो चुका है। इन हितधारकों में विपक्ष भी है, सिविल सोसायटी, और आम जन का एक बड़ा हिस्सा भी। यह किसी रूप में भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है।मुद्दा है कि इतने बड़े तबके के बीच में गहराते जा रहे शक को कौन दूर करेगा? क्या इसकी प्राथमिक जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की नहीं है? मुश्किल यह है कि आयोग ने भी कभी आत्म-निरीक्षण करने की जरूरत महसूस नहीं की। क्या उसके आचरण भी संदेह का कारण हैं?इन प्रश्नों पर उसे गंभीरता से सोचने की जरूरत है। सत्ता पक्ष के लिए यह अहम सवाल है कि निर्वाचन आयोग के गठन की प्रक्रिया अगर सुप्रीम कोर्ट ने तय कर दी थी, तो उसने संसदीय विधेयक के जरिए उसे क्यों बदला? ऐसे पहलू समाज के किसी हिस्से में अविश्वास का कारण बने हों, तो क्या उसे अतार्किक कहा जाएगा? इन प्रश्नों पर सिर्फ एकतरफा बयान देने से बात नहीं बनेगी।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर आज विशेष

उपभोक्ताओं को मिले त्वरित न्याय

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

देश में प्रतिवर्ष 24 दिसम्बर को उपभोक्ताओं के विभिन्न हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल ऑनलाइन खरीददारी हो या ऑफलाइन,ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीददारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब साढ़े तीन दशक पुराना हो चुका था, जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसीलिए ग्राहकों के साथ अक्सर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात् पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसम्बर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बार 24 दिसम्बर 1986 को देशभर में लागू किया गया। पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें।

उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

अगर उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतों का उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में क्या योगदान है। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हर्जाना देने का भी फरमान सुनाया। एक अन्य मामले में एक आवेदक ने सरकारी नौकरी के लिए अपना आवेदन अंतिम तिथि से पांच दिन पूर्व ही स्पीड पोस्ट द्वारा संबंधित विभाग को भेज दिया लेकिन आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं पहुंचने के कारण उसे परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया गया। आवेदक ने डाक विभाग की लापरवाही को लेकर उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया और उसे न्याय मिला। चूंकि स्पीड पोस्ट को डाक अधिनियम में एक आवश्यक सेवा माना गया है, इसलिए उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा शर्तों में कमी का दोषी पाते हुए डाक विभाग को मुआवजे के तौर पर आवेदक को एक हजार रुपये की राशि देने का आदेश दिया।

ऐसी ही छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है। हालांकि जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो हैरानी होती है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढ़ंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

शव से यौन संबंध बनाने पर सजा का प्रावधान नहीं

केशी गुप्ता
द्वारका,दिल्ली

छत्तीसगढ़ कोर्ट का आदेश एक गंभीर विचारणीय मामला

समाज से अभिप्राय एक ऐसी व्यवस्था से होता है जिसमे प्रत्येक व्यक्ति निर्धारित नियमो के अंतर्गत आचरण करने के लिए बाधित होता है। सामाजिक व्यवस्था सुव्यवस्थित तरह से चलती रहे और किसे को किसे से किसे तरह के हानि न पहुंचे। इसे ध्यान में रखते हुए कानून व्यवस्था बनाई जाती है। कुल मिला कर समाज से जुड़ी हर व्यवस्था का उद्देश्य एक स्वास्थ्य वातावरण और समाज की संरचना से होता है । जिस के अंतर्गत मानवता सुरक्षित रहे। इंसान के पास बुद्धि होने की वजह से वह यह तय की सकता है कि ऐसे कौन से आचरण है जो समाज के हक में नहीं । फिर भी आए दिन ऐसे मामले सामने आते हैं जो मानव सोच और सामाजिक व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर देते हैं।

छत्तीसगढ़ के एक कोर्ट के फैसले ने ना सिर्फ कानूनी व्यवस्था बल्कि संपूर्णा सामाजिक व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। तथाकथित तथ्यों पर आधारित माननीय कोर्ट के मुताबिक किसी लड़की के शव से किया दुष्कर्म गुनाह में शामिल नहीं होता । इस केस में हत्या करने वाले अपराधी और सबूत मिटने वाले अपराधी को सजा दी गई मगर मात्र 9 साल की नाबालिग लड़की के शव से दुष्कर्म करने वाले शख्स को माननीय कोर्ट द्वारा अपराधी ना मानते हुए बरी कर दिया गया । पीड़िता की मां द्वारा लगाई गई गुहार को नजर अंदाज कर दिया गया। विक्टिम की मां ने सेक्शन कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की थी। मां की याचिका को खारिज करते हुए ये कहा गया कि भारतीय कानून में मृतक के साथ यौन संबंध बनाने पर सजा का कोई प्रावधान नहीं है । सवाल यह उठता है कि इस तरह के फैसले समाज को किस दिशा में ले जा रहे है ? क्या किसी मृतक के शरीर के साथ किसी को कुछ भी करने का अधिकार है ? क्या यह भारतीय संस्कृति /समाज /कानून व्यवस्था पर एक बड़ा सवाल नहीं ? क्या इस तरह के फैसले मानवता का हनन नहीं कर रहे? ऐसे फैसलो के खिलवा आवाज क्यों नहीं उठाई जाती? कहा हैं समाज के वो लोग जो आए दिन बेटियों के हक की लड़ाई लड़ते हैं? कहां है धर्म, नैतिकता की दुहाई देने वाले? इस तरह के फैसलों पर पुनः विचार करने की जरूरत है । जिस संस्कृति में लोग शव को नहला धुला कर पूरे विधि विधान से संस्कार करते है कि मारने वाले की आत्म को शांति मिल सके, वहां किसे शव के साथ यौन संबंध बनाना अमानवीय,सब से बड़ा गुनाह है। मृतक लड़की और उसकी मां को इंसाफ मिलना जरूरी है।अन्यथा किसी व्यवस्था का कोई मतलब नहीं।

कांग्रेस को पंक्चर करने का प्रयास

संसद का शीतकालीन सत्र कई मायने में बहुत दिलचस्प राजनीतिक घटनाक्रम वाला रहा है। इस सत्र में जो विधायी कामकाज हुए या दोनों सदनों में संविधान पर जो चर्चा हुई वह अपनी जगह है लेकिन जो राजनीति हुई वह ज्यादा दिलचस्प रही। यह पहली बार हुआ कि पूरे सत्र में कांग्रेस सत्ता पक्ष के साथ साथ विपक्ष की पार्टियों के निशाने पर भी रही। कांग्रेस को अलग थलग करने का प्रयास भाजपा की ओर से हो रहा था तो साथ साथ विपक्षी गठबंधन की पार्टियों की ओर से भी हो रहा था।यह प्रयास इतना व्यवस्थित था कि शुरू में तो कांग्रेस भी नहीं भांप सकी कि जो हो रहा है वह एक डिजाइन के तहत हो रहा है।लेकिन फिर कांग्रेस को समझ में आया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। एक महीने के सत्र में वह अपना एक भी एजेंडा सदन में ठीक से नहीं उठा सकी। सरकार से ज्यादा विपक्ष की पार्टियों ने कांग्रेस के एजेंडे को पंक्चर किया।कांग्रेस का इस सत्र में सबसे बड़ा एजेंडा अडानी का था। सत्र से ठीक पहले अमेरिकी अदालत में गौतम अडानी और सागर अडानी सहित आठ लोगों के खिलाफ फ्रॉड और घूसखोरी के आरोप लगे थे और वारंट जारी होने की खबर आई थी।इस लिहाज से यह विपक्ष के लिए बड़ा मौका था कि वह केंद्र सरकार को क्रोनी कैपिटलिज्म पर घेरे। कांग्रेस ने यही किया। उसने संसद ठप्प किया और संसद परिसर में प्रदर्शन भी किया।लेकिन दो दिन के बाद ही ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने अपने को कांग्रेस के प्रदर्शन से अलग कर लिया। इतना ही नहीं तृणमूल कांग्रेस ने यह भी कह दिया कि वह अडानी के मसले पर संसद ठप्प करने के समर्थन में नहीं है। वह चाहती है कि दूसरे मुद्दों पर संसद में चर्चा हो।हालांकि ऐसा नहीं है कि अडानी के अलावा दूसरे मुद्दे नहीं उठाए जा रहे थे। लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने अपने राज्य के स्थानीय मुद्दे और मणिपुर का मुद्दा उठाने के नाम पर अपने को कांग्रेस से दूर किया।तृणमूल के यह स्टैंड लेने के करीब एक हफ्ते बाद समाजवादी पार्टी ने भी यही स्टैंड ले लिया। सपा ने भी कह दिया कि वह अडानी के मसले पर कांग्रेस के साथ नहीं है। उसके लिए संभल की शाही मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा का मुद्दा ज्यादा बड़ा था।जिस समय तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने अडानी मसले पर कांग्रेस को अलग थलग करने का अपना दांव चला उसी समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी जिद में कहा कि कांग्रेस अडानी का मुद्दा नहीं छोडने् जा रही है।उनको पता था कि यह मुद्दा सरकार को और भाजपा को सबसे ज्यादा तकलीफ दे रहा है। तभी उन्होंने साफ कर दिया कि संसद के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस यह मुद्दा उठाती रहेगी।

-अजीत द्विवेदी-

संसद के कलुषित परिवेश का जिम्मेवार कौन?

संसद में शोर-शराबा, वेल में जाकर नारेबाज़ी करना, एक-दूसरे पर निजी कटाक्ष करना यहां तक कि कई बार हाथापाई पर उतारू हो जाना आज संसद की आम तस्वीर है। आखिर सियासी पार्टियों और सांसदों का बर्ताव इतना अराजक क्यों हो गया है? क्या आज पार्टियों के निहित स्वार्थों ने संसद को मज़ाक बनाकर रख दिया है। अब समय आ गया है कि हमारे सभी सांसद इस बात पर ध्यान दें कि संसदीय लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है। अन्यथा जनता ही उसका उपहास करने लगेगी। हमारे सांसदों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे किस तरह की विरासत छोड़ कर जा रहे हैं। क्या वे संसद को इसके पतन के भार के नीचे दबने देंगे? आज जो हो रहा है, वो हम देख ही रहे हैं। उम्मीद है कि देश के सांसदों को, सांसद चलाने वालों को इस बात का भान जल्द हो कि देश का नागरिक उन्हें कितनी उम्मीद के साथ देखता है। साथ ही उन्हें कई मौकों पर उदाहरण की तरह रखता है। पिछले कुछ दिनों से संसद में जो कुछ हो रहा है, उससे देश निराश है। संसद चलाकर ही सरकार विपक्ष के सवालों के जवाब सही ढंग से दे सकती है। हंगामे के माहौल में सांसदों को अपनी बात रखने का मौक़ा ही नहीं मिलता। कोई बच्चा भी समझ सकता है वेल में जाकर नारेबाज़ी और हंगामा कर सदन की कार्यवाही रोकने से कैसे विरोध जताया जा सकता है। अच्छी बात तो तब कही जाएगी, जब आप अपने सवाल साफ़-साफ़ रखें और सरकार साफ़-साफ़ जवाब दे पाए। लेकिन इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि संसद की कार्रवाई में बाधा अपवाद की बजाय नियम बन गया है और हमारे राजनेताओं को इस पर कोई पछतावा नहीं होता है। पिछले वर्षों में यह गिरावट बड़ी तेजी से आई है। सांसद एक-दूसरे पर चिल्लाते हैं, विधायी कागजों को छीनकर फाड़ देते हैं, छोटे से मुद्दे पर सदन के बीचों-बीच आ जाते हैं। पिछले वर्षों में ज्यादातर विधेयकों को बिना चर्चा के ही पारित किया गया है। यह संसदीय प्रणाली का दुरुपयोग है।

अब विपक्षी पार्टियों और कुछ सांसदों ने संसद की दुर्गति कर रखी है। दोनों सदनों में निजी एजेंडों को लेकर अनुत्पादक हंगामा कर कार्यवाही ठप करा देना आम बात है। संसद में शोर-शराबा, वेल में जाकर नारेबाज़ी करना, एक-दूसरे पर निजी कटाक्ष करना यहां तक कि कई बार हाथापाई पर उतारू हो जाना आज संसद की आम तस्वीर है। आखिर सियासी पार्टियों और सांसदों का बर्ताव इतना अराजक क्यों हो गया है? क्या आज पार्टियों के निहित स्वार्थों ने संसद को मज़ाक बनाकर रख दिया है।

सांसदों के रवैये को देखते हुए लगता नहीं है कि उसकी मंशा देश के विकास की योजनाएं बनने देने की है। ऐसा लग रहा है कि सांसदों ने पूरे संसदीय लोकतंत्र को बंधक बना लिया है। क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही आजकल टीवी पर लाइव दिखाई जाती है, लिहाज़ा देश का आम आदमी भी वह सब कुछ देखता है, जो संसद में रोज़ हो रहा है। आख़िर सांसद लोगों के सामने अपनी क्या छवि पेश कर रहे हैं? ज़रा सोचिए कि देश के लोगों के मन में आपकी क्या छवि बनती जा रही है?

यह सच है कि इस गिरावट का कारण यह है कि राजनीति आज संख्या का खेल बन गई है जिसके चलते क्षेत्रीय क्षत्रप अपनी मनमर्जी कराने के लिए दबाव डालते हैं। वे न केवल दादागिरी की राजनीति में विश्वास करते हैं अपितु सफल संसद सत्र के पैमाने को 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' भी बनाते हैं। आज विषय-वस्तु की बजाय आकार महत्वपूर्ण बन गया है जिसके चलते संसद में गली-मोहल्लों के झगड़ों जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं। इसलिए इस गिरती राजनीतिक संस्कृति और नैतिक मूल्यों में संसदीय कार्रवाई में राजनीति को प्रभावित करने वाली विषय सामग्री नहीं मिलती है।

कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि संसद अब महज़ एक स्कोरिंग क्लब बन कर रह गई है। बहुतों को पता होगा कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर ढाई लाख रुपए ख़र्च हो जाते हैं। इस तरह एक दिन की सामान्य कार्यवाही पर औसतन छह करोड़ रुपए का ख़र्च आता है। जिस दिन कार्यवाही लंबी चलती है, उस दिन ख़र्च और बढ़ जाता है। ज़रा सोचिए कि यह पैसा आता कहां से है। ज़ाहिर है कि देश के आम लोगों की जेब से ही आता है। लोकतंत्र में इससे बड़ा और क्या मज़ाक होगा कि संसद की कार्यवाही लगातार ठप रहे या फिर दिन भर रह-रह कर हंगामा होता रहे, फिर भी एक दिन में छह करोड़ रुपए ख़र्च हो जाएं। ज़रा सोचिए कि छह करोड़ रुपए से क्या-क्या हो सकता है? हज़ारों गांवों की क़िस्मत संसद की एक दिन की कार्यवाही पर होने वाले ख़र्च से बदल सकती है। लाखों ग़रीब लड़कियों की शादी हो सकती है। लघु और कुटीर उद्योगों से हज़ारों नौजवानों की क़िस्मत संवर सकती है। लेकिन सांसद यह सब नहीं सोचते। विकास की योजनाएं भले न बनें, व्यक्तिगत हित ज़रूर सुधरने चाहिए। क्या सांसद देश से ऊपर हो गए हैं?

एक बात और सारे सांसद हंगामेबाज़ हों, ऐसी बात नहीं हैं। जो कामकाज को लेकर गंभीर हैं, वे कुछ नहीं कर पाते। सवाल है कि सांसद हर बार माहौल क्यों नहीं बनाते? क्या सांसद केवल हंगामा करने के लिए ही पहुंचते हैं? सांसदों ने लोकसभा को पंगु बना कर रख दिया है। हक़ीक़त यह है कि लोकतंत्र का लोक यानी देश की जनता लोकसभा का चुनाव सीधे तौर पर करती है। ऐसे में अप्रत्यक्ष रूप से चुने गए सदन को लोक के सदन यानी लोकसभा की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि लोकसभा में हुए हर काम में अड़ंगा डाल दिया जाए।

लोकसभा में तय दिनों में सभी सांसदों को तीन-तीन मिनट ही सही, अपने चुनाव क्षेत्र के बारे में बोलने दिया जाए। बार-बार हंगामा करने वाले सांसदों को चिन्हित किया जाए और उनकी सूची प्रचारित कराई जाए। ऐसे नियम बनाए जाएं कि वेल में आने या पर्चा लहराने या दूसरा किसी भी क़िस्म का हंगामा करने वाले सांसद के ख़िलाफ़ ख़ुद-ब-ख़ुद कोई तय कार्यवाही हो जाए। कुछ सांसद वॉकआउट करने के बाद दोबारा सदन में क्यों आ जाते हैं? केवल दिखावा करने के लिए ऐसा करते हैं, उन्हें देश के विकास से कोई लेना-देना नहीं है।

वे संसद में कुछ कर नहीं पा रहे हैं और उधर उनके लोकसभा क्षेत्र की जनता त्रस्त, क्योंकि वे उनकी समस्याएं सुलझा ही नहीं पा रहे हैं, क्योंकि संसद में केवल हंगामा हो रहा है। इसलिए संसद को अखाड़ा बनने से रोकें। नेतृत्व को भी अपनी बात समझाएं, उनके हर ग़लत-सही आदेश का आंख मूंदकर पालन न करें। लोकतंत्र के पवित्र मंदिर की गरिमा बचाए रखना सांसदों का प्रथम काम है। संसद को महत्वहीन बनाने के खतरनाक आयामों को शायद ये लोग नहीं समझते हैं। हमारी संसद हमारे राष्ट्र की आधारशिला है जो जनता का प्रतिनिधित्व करती है और जिससे अपेक्षा की जाती है कि वह हमारे राष्ट्रीय हितों पर संप्रभु निगरानी रखे। सरकार संसद के प्रति उत्तरदायी है और सरकार का अस्तित्व उस पर लोकसभा के विश्वास पर निर्भर करता है। अतः समय आ गया है कि हमारे सभी सांसद इस बात पर ध्यान दें कि संसदीय लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है। अन्यथा जनता ही उसका उपहास करने लगेगी। हमारे सांसदों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे किस तरह की विरासत छोड़ कर जा रहे हैं। क्या वे संसद को इसके पतन के भार के नीचे दबने देंगे? आज जो हो रहा है, वो हम देख ही रहे हैं। उम्मीद है कि देश के सांसदों को, सांसद चलाने वालों को इस बात का भान जल्द हो कि देश का नागरिक उन्हें कितनी उम्मीद के साथ देखता है। साथ ही उन्हें कई मौकों पर उदाहरण की तरह रखता है।

कविता
सड़क दुर्घटना

घटती-घटना
अशोक कुमार यादव
मुंगेली छत्तीसगढ़

सफर में तुम भी हो, सफर में मैं भी हूँ।
नजर में तुम भी हो, नजर में मैं भी हूँ।।
जिंदगी की गाड़ी चल रही आराम से,
अकेले तुम भी हो, अकेले मैं भी हूँ।।
रफ्तार में तुम भी हो, रफ्तार में मैं भी हूँ।
मुसाफिर तुम भी हो, मुसाफिर मैं भी हूँ।।
सबको पहुँचाना है जल्दी अपनी मंजिल,
मदहोश तुम भी हो, मदहोश मैं भी हूँ।।
सड़क में तुम भी हो, सड़क में मैं भी हूँ।
गाड़ी में तुम भी हो, गाड़ी में मैं भी हूँ।।
सड़क दुर्घटना में हो गई जनता की मौत,
खबर में तुम भी हो, खबर में मैं भी हूँ।।
मसान में तुम भी हो, मसान में मैं भी हूँ।
राख धुआँ तुम भी हो, राख धुआँ मैं भी हूँ।।
जीवन कीमती है, ध्यान से चलाओ गाड़ी,
क्योंकि मानव तुम भी हो, मानव मैं भी हूँ?

कविता
प्रकृति की शिकायत

घटती-घटना
वीणा आडवाणी तन्वी
नागपुर महाराष्ट्र

शब्दों कि भरमार तो है
फिर भी वो शब्द मिलते नहीं,
अरे वो शब्द जो प्रकृति का,
ज़ख्म बिल्कुल भी सिलते नहीं।।
पर्यावरण रक्षण शब्द लिखे
शब्द पढ़ इंसा अमल करते नहीं
कूड़ा-करकट फैलाते
चेतावनी से भी ये इंसा डरते नहीं।।
वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण
मल-मूत्र खुले में करने से रुकते नहीं।।
ये न सोचें बिमारियां फैलती
समझाने पर भी क्यों समझते नहीं।।
पानी बहाते, नदी में पशु नहलाते,
रासायनिक पदार्थ पानी में मिलाते।।
पेड़ काट ज़मीन हथियाते,
भविष्य का खतरा अभी से भांपे नहीं।।
कुछ स्वच्छता ज्ञान बांटते फिरते
वही पर्यटन स्थलों को पवित्र रखते नहीं।
क्यों न सभी आगे बढ़कर,
अपनी ओर से ही जिम्मेदारी पूरी करते नहीं
शब्दों कि भरमार तो है
फिर भी वो शब्द मिलते नहीं,
अरे वो शब्द जो प्रकृति का,
ज़ख्म बिल्कुल भी सिलते नहीं।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

राजस्व मंडल बिलासपुर के आदेश में कूटरचित कर जमीन फर्जीवाड़ा,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

राजस्व मंडल बिलासपुर के आदेश में कूटरचित कर जमीन अपने नाम आदेशित करने वाला एक आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

मो. फारूक कोतवाली थाना क्षेत्र के नवागढ़ का रहने वाला है। यह राजस्व मंडल बिलासपुर के दो आदेश में कूटरचित कर जमीन फर्जीवाड़ा किया गया था। मामला सरगुजा कलेक्टर विलास भोस्कर के समक्ष आने पर मामले की जांच कराई गई थी। जांच में राजस्व मंडल के आदेश में कूटरचित किया जाना पाया गया था। मामले में कलेक्टर ने मो. फारूक के खिलाफ तहसीलदार को रिपोर्ट दर्ज कराने का आदेश दिया था। कलेक्टर के आदेश पर तहसीलदार ने कातवाली में राजस्व मंडल के आदेश में कूटरचित कर जमीन फर्जीवाड़ा करने का मामला 6 सितंबर 2024 को दर्ज कराई कई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 318(4), 338, 336(3), 340 (2) के तहत दो प्रकरण दर्ज कर विवेचना कर रही थी। मामले में कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के लगभग तीन बाह बाद आरोपी फारूक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

बाइक से गिरकर जख्मी वृद्धा की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एक वृद्धा अपने भतीजे के अंतिम संस्कार में शामिल होने गई थी। वहां से परिचित के साथ बाइक से वापस लौट रही थी। तभी रास्ते में वह चलती बाइक से गिरकर जख्मी हो गई। इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार फगनी बाई पति सलगू यादव उम्र 62 वर्ष राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चौरा के रहने वाली थी। वह रिश्तेदार के साथा बाइक से अपने भतीजे के अंतिम संस्कार में शामिल होने ग्राम जमीरा गई थी। वहां से वापस लौट रही थी। तभी ग्राम धंधापुर के पास चलती बाइक से वह गिर गई थी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

प्रसूता की मौत के बाद परिजन ने लगाया इलाज में लापरवाही का आरोप

- संवाददाता -
अंबिकापुर,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मातृ-शिशु वार्ड में भर्ती प्रसूता की मौत सोमवार की सुबह हो गई। महिला की मौत के बाद उसके पति ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। बैकुंठपुर जिला अस्पताल में प्रसव के बाद गंभीर स्थिति में महिला को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया था।

जानकारी के अनुसार प्रमिला यादव पति सोनू यादव उम्र 28 वर्ष एमसीबी जिले के झागराखांड़ थाना क्षेत्र के ग्राम पनियादफाई के रहने वाली थी। वह नौ माह की गर्भवती थी। प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उसे डिलिवरी के लिए मनेन्द्रगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने महिला की स्थिति को गंभीर देखते हुए बैकुंठपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां 21 दिसंबर को महिला का नॉर्मल डिलिवरी हुआ। प्रसव के बाद महिला की गर्भ की सफाई नहीं हो पाई थी।

वहीं महिला की स्थिति गंभीर थी। इस स्थिति में बैकुंठपुर जिला अस्पताल से चिकित्सकों ने उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन यहां 22 दिसंबर की सुबह मातृ व शिशु अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां चिकत्सकों ने महिला के गर्भ की सफाई कर इलाज शुरू कर दिया था। महिला स्थिति काफी गंभीर होने के कारण उसे एक यूनिट ब्लड भी चढ़ाया गया था। इसके बावजूद भी महिला की 23 दिसंबर की सुबह करीब 6 बजे मौत हो गई। प्रसूता की मौत के बाद उसके पति सोनू यादव ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। पति का कहना है कि समय पर ब्लड की व्यवस्था नहीं हो पाई थी। ब्लड के लिए मैं काफी देर तक परेशान रहा। इसके बावद मैंने अपने परिजन से डोनेट कराकर एक यूनिट ब्लड चढ़ाने को दिया था। वहीं समय-समय पर चिकित्सक द्वार देखा नहीं जा रहा था। ब्लीडिंग नहीं रूक पा रहा था। पति का कहना है कि चिकित्सकों की लापरवाही के कारण मेरा तीन दिन का बच्चा बिन मां का हो गया है। पति ने मुआवजे की मांग की है।

गंभीर थी महिला

बैकुंठपुर से रेफर होकर आने पर महिला को मातृ-शिशु वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा था, महिला में हीमोग्लोबिन की कमी और जांच में पता चला की महिला को सिकलिन की पुरानी बीमारी थी, बैकुंठपुर अस्पताल में डिलीवरी होने के बाद उसे रेफर करने महिला को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं परिजन के आरोप के अनुसार मामले की जांच कराई जाएगी।

डॉ. आरसी आर्या,मेडिकल कॉलेज अस्पताल अधीक्षक

कब्रिस्तान की भूमि में कर रहे खेती,अंतिम संस्कार किए गए शवों को क्षति पहुंचाने का आरोप

- संवाददाता -
अंबिकापुर,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

उरांव समाज के कब्रिस्तान की भूमि पर गांव के ही कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। दरिमा थाना क्षेत्र के गाम शिवपुर के ग्रामीणों ने दफन किए गए शव को उखाडने का भी आरोप लगाया है। ग्रामणों ने मामले की शिकायत सोमवार को कलेक्टर जनदर्शन में की है।

सोमवार को जनदर्शन में पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि जिस भूमि का कई पीढ़ियों से कब्रिस्तान के रूप में उपयोग किया जा रहा है, उस जमीन की जोताई करने में गांव के ही कुछ लोग लगे हैं। आए दिन विवाद की बने वाली स्थिति को देखते हुए उन्होंने खसरा नंबर 615/2. 615/2, 615/4 रकबा 0.170, 0.648 एवं 1.060 हेक्टेयर का खसरा नक्शा एवं बी-1 प्राप्त करने हेतु आवेदन जमा किया। इसके बाद न्यायालय,नायब तहसीलदार दरिमा ने 11 मार्च 2024 को ग्रामीणों के समक्ष उक्त भूमि का सीमांकन करने हेतु पटवारी को आदेश जारी किया गया। पटवारी ने सभी ग्रामीणों के मौजूदगी में 12 मार्च 2024 को सीमांकन एवं पंचनामा तैयार कर सभी कोणों को चिन्हित किया था, जिसमें खसरा नंबर 615/2, 615/3 रकबा 0.170, 0.648 हैक्टेयर भूमि रजवार एवं पनिका समाज का कब्रिस्तान होना बताया गया।

इसके बाद भी उक्त भूमि पर शिवशंकर एवं रामशंकर पिता नेतराम गाम शिवपुर द्वारा अनाधिकृत रूप से अतिक्रमण करके कृषि कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों ने जनदर्शन में सौंपे ज्ञापन के माध्यम से कलेक्टर को अवगत कराया है कि उक्त भूमि पर दफन शव को भी उखाड़ दिया जा रहा है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि मरघट की भूमि को सुरक्षित करने के लिए उन्होंने खसरा, नक्शा एवं बी-1 की मांग की है, लेकिन दरिमा में पदस्थ नायब तहसीलदार अजय कुमार गुप्ता द्वारा उन्हें गुमराह करने एवं रुपये की मांग करने का आरोप लगाया है। बताया गया है कि नायब तहसीलदार का कहना है कि सरकारी भूमि का खसरा,नक्शा एवं बी-1 नहीं मिलेगा। वहीं ग्रामीणों को कलेक्टर के जनदर्शन में आवश्यक कार्रवाई का भरोसा मिला है। जनदर्शन में सुन्दरी, धनेश्वरी एक्का, गुड्डू, बेचन राम बेक, नेपाली बेक, नान, सुन्दर, रामलाल, घूरसाय बेक, संजय तिर्की, अजीत लकड़ा, कनीलाल, रवि बेक, रिझोबाई, सनमती तिर्की, सुशीला सहित अन्य ग्रामवासियों शामिल रहे।

पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी शतचंडी महायज्ञ 16 जनवरी से

- संवाददाता -
अंबिकापुर,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के शिवधारी कॉलोनी में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जाना है। यज्ञ के आयोजन को लेकर 21 दिसंबर को समिति के सदस्यों की शिव मंदिर में बैठक आयोजित की गई। जिसमें निर्णय लिया गया है कि 16 से 24 जनवरी तक शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। चर्चा के दौरान सभी ने पिछले वर्ष से और भव्य आयोजन करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत अभी से ही तन मन धन से जुट जाने का निर्णय लिया है और अन्य धर्म भावी लोगों से आग्रह किया है कि वह भी इस पवित्र कार्य में जुड़कर यज्ञ को सफल बनाएं। यज्ञ की विस्तृत कार्यक्रम की रूप रेखा पृथक से जारी किया जाएगा। महायज्ञ का का प्रारंभ 16 जनवरी को कलश यात्रा के साथ होगा जो 24 जनवरी तक चलेगा और 25 जनवरी को भंडारा प्रसाद के साथ चंडी महायज्ञ का समापन किया जाएगा। बैठक में चित्रकूट से पधारे शतचंडी यज्ञ के आचार्य, दीपक कृष्ण शास्त्री संरक्षक स्वामी तन्मयानन्द,आलोक दुबे,भवानी शंकर सिंह,अजय श्रीवास्तव,बलवंत चौबे,छक्कन लाल गुप्ता, राजेश सिंह , प्रमोद कुमार सिंह , रमेश पाठक, आरपी निगम, गौरी शंकर शुक्ला मामनचन्द अग्रवाल, सत्येंद्र मिश्रा मनोज मिश्रा,मनोज शुक्ला कृपाशंकर गुप्ता, अभय तिवारी दयाशंकर गुप्ता, संतोष गुप्ता धनंजय गुप्ता, धिरज गुप्ता, नीरज गुप्ता, नीरज सिन्हा , रवीश गुप्ता इत्यादि उपस्थित रहे।

धारदार हथियार के साथ आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर धारदार हथियार से आतंकित करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार विद्या कालो गांधीनगर का रहने वाला है और ऑटो चलाने का काम करता है। 13 दिसंबर को सवारी लेने रेलवे स्टेशन गया था। वहां पर विक्की सोनी ऑटो चालक लक्ष्मण यादव के साथ विवाद कर रहा था। तभी विद्या सवारी लेकर अपने ऑटो से जा रहा था। इस दौरान रोकर विक्की सोनी ने उसके साथ भी गाली-गलौज व मारपीट करने लगा। इसके बाद आस पास के लोगों ने बीच बचाव किया। इसके बाद आरोपी वहां से चला गया। कुछ देर बाद धारदार हथियार लेकर आया और विद्या को मारने के लिए दौड़ने लगा। इस दौरान वह वहां से भाग कर अपनी जान बचाई। इस दौरान आरोपी ने विद्या के बेटे के साथ मारपीट की। वहीं मामले की रिपोर्ट पर गांधीनगर पुलिस ने आरोपी विक्की सोनी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से धारदार हथियान भी जब्त किया है।

कायाकल्प योजना अंतर्गत संभाग स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बटईकेला एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर मंगारी को प्रथम स्थान

» टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत के तहत राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री श्री साय के हाथों सरगुजा जिला पुरस्कृत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कायाकल्प योजना के तहत संभाग स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बटईकेला एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर मंगारी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। राज्य स्तर पर आयोजित सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में स्वास्थ्य विभाग सरगुजा से सीएमएचओ डॉ0 पी.एस.मार्को, डीपीएम डॉ. पुष्पेन्द्र राम, संस्था बटईकेला से श्री भरत पटेल एवं मंगारी से सुश्री सुमन कुजूर को प्रशस्ति पत्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बटईकेला को 2 लाख रूपए एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर मंगारी को 1 लाख रूपए की राशि प्रदाय किया गया। कायाकल्प योजना के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में स्वच्छता, और संक्रमण नियंत्रण कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने हेतु पहल की जाती है। इस पहल के तहत, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का मूल्यांकन राज्य स्तर के दल के द्वारा किया गया था। योजना के तहत सरगुजा में कुल 117 स्वास्थ्य संस्था, जिसमें 03 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 1 शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 18 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं 95 आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं, उन्हें सांत्वना पुरस्कार दिया गया है।

इसी तरह टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत जिला सरगुजा में बेहतर काम किए जाने पर डॉ0 शैलेन्द्र गुप्ता को सम्मानित किया गया। राज्य स्तर पर जिला सरगुजा एवं महासमुंद जिले ने टीबी मुक्त पंचायत के तहत उपलब्धि हासिल की है। बता दें कि सरगुजा में 439 पंचायतों में से 222 पंचायतें टीबी मुक्त हुई हैं।

बंदर के हमले में ग्रामीण जख्मी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

करंट लगे बंदर को इलाज कराने की कोशिश कर रहे ग्रामीण को हमला कर जख्मी कर दिया। सूचना पर वन विभाग की टीम ने जख्मी ग्रामीण को अस्पताल में इलाज कराया। जानकारी के अनुसार लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम बटवाही में एक बंदर जंगल से भटक कर गांव में आ गया था। रविवार की शाम को बंदर करंट की चपेट में आ गया था। गांव के ही लालपति व अन्य लोगों ने बंदर को पकडक़र इलाज करा रहे थे। तभी बंदर ने अचालक लालपति के ऊपर हमला कर दिया। इससे वह जख्मी हो गया है। वन विभाग की टीम ने घायल ग्रामीण को इलाज के लिए लुण्ड्रा अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है।

अमेरा खदान में खड़े 7 ट्रकों से डीजल चोरी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अमेरा खदान में खड़े 7 ट्रकों से 580 लीटर डीजल चोरी कर लिया गया था। मामले में लखनपुर पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 13 दिसंबर को घटना को अंजाम दिया था।

जानकारी के अनुसार बिलसापुर निवासी पंकज गांधी ट्रक चलवाने का काम करता है। 13 दिसंबर को अपने 7 ट्रकों को कोयला लोड करवाने लखनपुर के अमेरा खदान भेजा था। सभी ट्रक चालक 13 दिसंबर की रात को ट्रक में ही सोए थे। इस दौरान देर रात को कुछ लोग आए और ट्रक ड्राइवरों को वाहन से नीचे न उतरने व जान से मारने की धमकी देकर सभी ट्रकों से 580 लीटर डीजल चोरी कर लिया था। दूसरे दिन ट्रक चालकों ने मामले की रिपोर्ट लखनपुर थाना में दर्ज कराई थी। ट्रक चालक चौनपुर पलामू झारखंड निवासी सजाद अंसारी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी डाकेश्वर उर्फ सोनू प्रजापति उम्र 19 वर्ष, विशाल प्रजापति उम्र 18 वर्ष निवासी पुहपुटरा चिलबिलपारा थाना लखनपुर व ओम प्रकाश उर्फ पप्पू प्रजापति उम्र 19 वर्ष निवासी रेलवे स्टेशन के पास बिश्रामपुर सूरजपुर हाल मुकाम पुहपुटरा चिलबिलपारा थाना लखनपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2), 309(4) 310 (2) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर निरीक्षक अश्वनी सिंह सहायक उप निरीक्षक सिदयुस लकड़ा प्रधान आरक्षक मुक्ति तिर्की, आरक्षक दशरथ राजवाड़े, जानकी प्रसाद राजवाड़े, अनिल, अमरेश दास, हर्ष अगरिया सक्रिय रहे।

शेख हसीना को वापस बांग्लादेश भेजे भारत, अंतरिम यूनुस सरकार ने भेजा राजनयिक नोट

ढाका,23 दिसम्बर 2024। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को ढाका वापस भेजने के लिए भारत को एक राजनयिक नोट भेजा है। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने अपने कार्यालय में सोमवार इसकी जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि हमने भारत सरकार को एक नोट वर्बल (राजनयिक संदेश) भेजा है जिसमें कहा गया है कि बांग्लादेश न्यायिक प्रक्रिया के लिए शेख हसीना को वापस चाहता है।

इससे पहले आज दिन में,गृह सलाहकार जहांगीर आलम ने कहा कि उनके कार्यालय ने अपदस्थ प्रधानमंत्री के भारत से प्रत्यर्पण की सुविधा के लिए विदेश मंत्रालय को एक पत्र भेजा है। प्रक्रिया अभी चल रही है। उन्होंने कहा कि ढाका और नई दिल्ली के बीच प्रत्यर्पण संधि पहले से मौजूद है और संधि के तहत हसीना को बांग्लादेश वापस लाया जा सकता है।

बीते माह इंटरपोल से मदद मांगने की भी कही थी बात

इससे पहले बीते माह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ छात्र आंदोलन में हुई मौतों का मुकदमा चलाने के लिए उनको बांग्लादेश लाया जाएगा। इसके लिए अंतरिम सरकार इंटरपोल की मदद मांगेगी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के कानून मामलों के सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा था कि इंटरपोल के जरिये बहुत जल्द रेड नोटिस जारी किया जाएगा। चाहे ये फासीवादी लोग दुनिया में कहीं भी छिपे हों,उन्हें वापस लाया जाएगा और अदालत में जवाबदेह ठहराया जाएगा। 17 अक्तूबर को न्यायाधिकरण ने हसीना और 45 अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इसमें उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय और उनके कई पूर्व कैबिनेट सदस्य शामिल हैं।

पांच अगस्त से भारत में हैं शेख हसीना

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना अपनी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर छात्र नेतृत्व वाले विद्रोह के बीच पांच अगस्त को भारत चली गई थीं। इस दौरान हुए विरोध प्रदर्शन में कई लोग घायल हुए। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुताबिक विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 753 लोग मारे गए और हजारों घायल हुए।

इस मामले में हसीना और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ अपराध और नरसंहार की 60 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेख हसीना के खिलाफ 225 मामले दर्ज हैं, इनमें हत्या के 194, मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार के 16 मामले, अपहरण के तीन मामले, हत्या के प्रयास के 11 मामले और 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' की रैली पर हमले के संबंध में एक मामला शामिल है।

बांग्लादेश में क्यों भड़की हिंसा?

बांग्लादेश को साल 1971 में आजादी मिली थी। आजादी के बाद से ही बांग्लादेश में आरक्षण व्यवस्था लागू है। इसके तहत स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को 30 प्रतिशत, देश के पिछड़े जिलों के युवाओं को 10 प्रतिशत, महिलाओं को 10 प्रतिशत, अल्पसंख्यकों के लिए 5 प्रतिशत और दिव्यांगों के लिए एक प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था। इस तरह बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में 56 प्रतिशत आरक्षण था। साल 2018 में बांग्लादेश के युवाओं ने इस आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन किया। कई महीने तक चले प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश सरकार ने आरक्षण खत्म करने का एलान किया।

5 जून को बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने देश में फिर से आरक्षण की पुरानी व्यवस्था लागू करने का आदेश दिया। शेख हसीना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील भी की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को बरकरार रखा। इससे छात्र नाराज हो गए और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बांग्लादेश के विश्वविद्यालयों से शुरू हुआ ये विरोध प्रदर्शन बाद में बढ़ते-बढ़ते हिंसा में तब्दील हो गया था।

मुझे अरबों व्यूज मिले थे

ट्रंप ने अमेरिकी संसद के विरोध के बावजूद टिकटॉक जारी रखने के दिए संकेत

वॉशिंगटन,23 दिसम्बर 2024। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि वे सोशल मीडिया एप टिकटॉक को कुछ और समय के लिए अमेरिका में संचालन की इजाजत दे सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें टिकटॉक पर अरबों की संख्या में व्यूज मिले थे। एरिजोना के फीनिक्स में एक कार्यक्रम के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने ये बात कही।

सुरक्षा कारणों से अमेरिका में टिकटॉक एप पर प्रतिबंध की तैयारी

सुरक्षा कारणों से अमेरिका में सोशल मीडिया एप टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी है। इस साल अप्रैल में अमेरिकी संसद में एक कानून पास किया गया था, जिसमें टिकटॉक की पेरेंट कंपनी बाइटडांस को टिकटॉक एप बेचने के लिए कहा गया था। फिलहाल यह मामला अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। अगर सुप्रीम कोर्ट ने भी टिकटॉक के खिलाफ फैसला दिया तो अमेरिका में 19 जनवरी से टिकटॉक पर प्रतिबंध लग सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद संभालने वाले हैं। जब टिकटॉक प्रतिबंध को लेकर ट्रंप से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि हम जल्द ही इस बारे में विचार करेंगे। हम भी राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान टिकटॉक पर गए थे और वहां हमें जबरदस्त समर्थन मिला था और अरबों की संख्या में व्यूज मिले थे। मुझे लगता है कि हमें कुछ समय तक इसे जारी रखना चाहिए।

टिकटॉक पर लगे हैं ये आरोप

ट्रंप ने सोमवार को टिकटॉक के सीईओ से मुलाकात भी की। इस मुलाकात के बाद भी ट्रंप ने कहा था कि उनके अभियान की सफलता के कारण उनके मन में टिकटॉक के लिए जगह है। गौरतलब है कि अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा है कि टिकटॉक पर चीन का नियंत्रण है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। अधिकांश अमेरिकी सांसदों का भी ऐसा मानना है। हालांकि टिकटॉक का कहना है कि न्याय विभाग ने सोशल मीडिया एप के चीन के साथ संबंधों के बारे में गलत बताया है। तर्क दिया कि इसका पूरा डेटा अमेरिका में ही संग्रहीत है और इसे अमेरिकी कंपनी ओरेकल कॉर्प द्वारा संग्रहित किया जाता है। साथ ही यूजर्स को प्रभावित करने वाले कंटेंट मॉडरेशन भी अमेरिका में किए जाते हैं।

उत्तर कोरिया पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका व दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से करेंगे प्रयास

सियोल,23 दिसंबर 2024। उत्तर कोरिया के क्रिप्टोकरेंसी चोरी के प्रयासों के खिलाफ दक्षिण कोरिया और अमेरिका संयुक्त रूप से अनुसंधान कर रहे हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी। साइबर सुरक्षा उद्योग के अधिकारियों के अनुसार, दक्षिण कोरियाई सरकार और अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के बीच हाल ही में इस मामले में सहमति बनी है।

चीन की तरफ मिसाइल तैनात करने जा रहा फिलीपींस, शी चिनफिंग की बढ़ी टेंशन,अमेरिका ने चली नई चाल

बीजिंग, 23 दिसम्बर 2024। फिलीपींस चीन से लगती सीमा की तरफ अमेरिकी मध्यम दूरी की मिसाइल टाइफान की तैनाती की योजना बना रहा है। चीन ने इसे उकसाने वाला कदम बताया है। चीनी अधिकारी ने कहा है कि इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ेगा। फिलीपींस के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने सोमवार को मनीला में कहा कि सेना दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच मध्यम दूरी की मिसाइल खरीदने की योजना बना रही है। लेफ्टिनेंट जनरल राय गैलिडो ने कहा कि हां, ऐसी योजनाएं हैं।

अमेरिकी सहायता का विरोध करता है चीन

अमेरिका ने अप्रैल में उत्तरी फिलीपींस में अपनी मध्य दूरी की मिसाइल प्रणाली टाइफान तैनात की थी। साथ ही दोनों देशों के सैनिक इन हथियारों के संभावित उपयोग के लिए संयुक्त रूप से प्रशिक्षण ले रहे हैं। फिलीपींस को अमेरिकी सैन्य सहायता का चीन लगातार विरोध करता आ रहा है।

हथियारों की होड़ होगी तेजः चीन

चीन टाइफान प्रणाली की तैनाती से विशेष रूप से चिंतित है। राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व में अमेरिका ने ताइवान पर किसी भी टकराव सहित चीन से मुकाबला के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सैन्य गठजोड़ को मजबूत किया है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि फिलीपींस द्वारा हथियार की तैनाती से भूराजनीतिक टकराव और हथियारों की होड़ तेज हो जाएगी।

मित्र देशों के साथ कम रहा फिलीपींस

फिलीपींस के लेफ्टिनेंट जनरल रॉय गैलिडो ने कहा कि सेना न केवल अमेरिका बल्कि अन्य मित्र देशों के साथ भी हथियार प्लेटफार्मों की एक लंबी सूची पर काम कर रही है। इन्हें हासिल करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंनो यह भी कहा कि फिलीपींस अनिवार्य रूप से टाइफॉन प्रणाली नहीं खरीदेगा।

बांग्लादेश में प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी को पहनाई गई जूतों की माला,जमात-ए-इस्लामी ने किया अपमान,खुली यूनुस की पोल

ढाका,23 दिसम्बर 2024। बांग्लादेश में एक और चौंकाने वाली घटना ने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में व्याप्त अराजकता को उजागर कर दिया है। इस घटना में कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी पार्टी के सदस्यों ने देश के प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी अब्दुल हई कानू को जूतों की माला पहनाकर उनका अपमान एवं उत्पीड़न किया।

शेख हसीना के शासन में प्रतिबंधित था जमात-ए-इस्लामी

शेख हसीना सरकार को अपदस्थ किए जाने तक जमात-ए-इस्लामी पार्टी आतंकरोधी कानून के तहत प्रतिबंधित थी। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे लगभग दो मिनट के वीडियो में दिखाई दे रहा है कि जमात के कई युवा कार्यकर्ता बुजुर्ग कानू को जूतों की माला पहना रहे हैं और उनसे चटगांव में कोमिल्ला जिले के लुडियारा गांव में स्थित अपना घर छोड़कर जाने को कह रहे हैं।

इस दौरान एक व्यक्ति ने कहा, ÷क्या आप पूरे गांव के लोगों से माफी मांग सकते हैं? तो कानू ने हाथ जोड़कर सभी से माफी भी मांगी। कानू रविवार सुबह स्थानीय बाजार गए थे, जहां कुछ लोगों ने उन्हें पकड़ लिया था। आवामी लीग की सरकार गिरने के बाद कानू अपने गांव लौट गए थे।

पाकिस्तानी जानवरों से भी ज्यादा हिंसक व्यवहार किया

एक बांग्लादेशी न्यूज पोर्टल ने कानू के हवाले से कहा,मैंने सोचा था कि इस बार मैं गांव में आराम से रह सकूंगा। मगर उन्होंने मेरे साथ पाकिस्तानी जंगली जानवरों से ज्यादा हिंसक व्यवहार किया।

धमकाने वालों में दुर्दांत आतंकी भी

गौरतलब है कि बीर प्रतीक बांग्लादेश का चौथा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है और कानू उन 426 लोगों में शामिल हैं जिन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में अदम्य साहस प्रदर्शित करने के लिए प्रदान किया गया था। खबरों में बताया गया है कि कानू को धमकाने वाले लोगों में एक व्यक्ति दुर्दांत आतंकी था जो 2006 में दुबई चला गया था और यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार बनने के बाद वापस लौटा है।

हसीना की पार्टी बोली-देश की गरिमा पर हमला

अंतरिम सरकार के गठन के तत्काल बाद जमात पर से प्रतिबंध हटा लिया गया था। इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग ने कहा कि बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के नायकों के साथ इस तरह का व्यवहार सहन नहीं किया जा सकता और यह देश की गरिमा व इतिहास पर सीधा हमला है। पार्टी ने देशवासियों से इसके विरुद्ध खड़े होने का अनुरोध किया।

सांसद चिंतामणि जिला स्तरीय वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजन सम्मान कार्यक्रम में हुए शामिल

» बेहद संवेदनशीलता के साथ बुजुर्गों से भेंट कर उन्हें पुष्प देकर किया सम्मानित,वृद्ध ब्रह्म प्रकाश को आदरपूर्वक बिठाया अपने साथ...

» दिव्यांग बच्चों ने दी सुंदर प्रस्तुतियां,वृद्ध एवं दिव्यांगजन को वितरित किए गए गरम कपड़े...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व छत्तीसगढ़ शासन के बेमिसाल एक साल पूरे होने के अवसर पर सोमवार को आस्था निकुंज वृद्धाश्रम राघवपुरी में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों का सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होकर सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने वृद्धजनों से मुलाकात की और पुष्प भेंट कर उनका सम्मान किया। उन्होंने बेहद संवेदनशीलता के साथ बुजुर्गों से मुलाकात कर उनका हाल चाल जाना। उन्होंने वृद्धाश्रम में उनके आवासीय व्यवस्था, भोजन, मनोरंजन की सुविधा आदि का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कंवर, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, स्थानीय जनप्रतिनिधि श्री आलोक दुबे, श्री अभिमन्यु गुप्ता, श्री कैलाश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि,अधिकारी कर्मचारी तथा वृद्ध एवं दिव्यांगजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में स्वागत के दौरान सांसद श्री चिंतामणि ने बड़े आदर पूर्वक वृद्ध ब्रम्हप्रकाश को अपने साथ बिठाया। इस दौरान उनकी जानकारी में आया कि ब्रह्मप्रकाश द्वारा देहदान का निर्णय लिया है। सांसद ने उनके इस निर्णय की सराहना की। वृद्ध ब्रम्हप्रकाश मूलतः पंजाब के अमृतसर के रहने वाले हैं, परिवार से पूरी तरह नाता टूट चुका है। देहदान के बारे में उन्होंने समाचार पत्रों में पढ़ा था जिससे देहदान की इच्छा उत्पन्न हुई और 2 वर्ष पूर्व उन्होंने देहदान का निर्णय लिया।

सांसद श्री चिंतामणि ने वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उन्हें संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों की मदद हेतु विभिन्न योजनाएं और कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इस पुण्य कार्य में कई एनजीओ भी मदद कर रहे है। समाज की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि ऐसे वृद्धजन, जो अकेले हैं, उनकी सेवा के स्वयं तत्परता से आगे आएं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद,जो सबका साथ, सबका विकास की मंशा के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम की रीत उचित नहीं, संस्कार के मामले में हम पिछड़ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी स्थिति नहीं, लेकिन शहरों में वृद्धाश्रम खोले जा रहे हैं। उन्होंने कहानी के माध्यम से वृद्धजनों के अनुभव और विचारों की महत्ता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा बेहद जरूरी है, पर माता पिता अच्छी शिक्षा के साथ बच्चों को अच्छे संस्कार भी दें। जिस सभ्य और शिक्षित समाज की परिकल्पना हम करते हैं, उसे बनाने में हम सभी का योगदान हो। सांसद ने वृद्धजनों का पुनः परीक्षण कराकर उन्हें आवश्यकता अनुरूप सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर ने अपने संबोधन में कहा कि शासन के द्वारा दिव्यांग एवं वृद्धजनों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में शासन द्वारा वृद्धजनों के लिए विशेष चिकित्सा सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे जिले, और प्रदेश को विकसित बनाने में हम सभी का सहयोग और योगदान हो। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि श्री आलोक दुबे ने समुद्र करते हुए प्रशासन द्वारा वृद्ध आश्रम के सुंदर जीर्णोद्धार कार्य कराए जाने की सराहना की।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक ने कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उप संचालक समाज कल्याण डॉ स्वेच्छा सिंह ने आभार प्रदर्शन किया।

दिव्यांग बच्चों ने दी सुंदर प्रस्तुति, सांसद ने वृद्धजनों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में मूक बधिर बच्चियों द्वारा सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी गई। वहीं बतौली के दिव्यांग स्कूल के छात्र छात्राओं के द्वारा गीत प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर निःशुल्क मेडिकल परीक्षण भी किया जा रहा है। सांसद श्री चिंतामणि के साथ सभी अतिथियों ने दिव्यांग बच्चों और वृद्धजनों को गरम कपड़ों का सेट वितरित किया। उन्होंने स्वयं सभी वृद्धजनों को पुष्प देकर सम्मानित भी किया और उनकी विभिन्न आवश्यकताओं की जानकारी लेकर अधिकारियों को उनकी सुविधा हेतु व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि प्रशासन द्वारा वृद्धाश्रम का जीर्णोद्धार कराया गया है जिससे उन्हें किसी तरह की समस्या ना हो।

CMYK

विरासत,लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए सर्व सेवा संघ चलाएगा राष्ट्रव्यापी अभियान

सत्याग्रहियों को गांधी टोपी पहनाकर किया सम्मानित

आज के अधिवेशन में विचार रखने वालों में विद्याधर,डॉ सोमनाथ रोड़े, रमेश दाने, जागृति राही, रामबाबू नायडू, सत्यनारायण प्रसाद, जगदीश भाई, सतीश मराठा, मिहिर दास, अरविंद अंजुम, सत्येंद्र सिंह, वी प्रशांता आदि प्रमुख थे। समापन सत्र में गांधी भवन न्यास के सचिव दयाराम नामदेव, जिला सर्वोदय मंडल शहडोल के अध्यक्ष गणेश शर्मा, सर्व सेवा संघ के मैनेजिंग ट्रस्टी शेख हुसैन, महामंत्री गौरांग महापात्र, अरविंद अंजुम, अरविंद कुशवाह, जिला पंचायत सदस्य अंजू रैदास आदि ने अपनी बात रखी। समापन में सत्याग्रहियों को गांधी टोपी पहनाकर सम्मानित किया गया। अधिवेशन के समापन में सर्वोदय समाज के संयोजक संतोष कुमार द्विवेदी ने आभार व्यक्त करते हुए गांधी विचार का समाज बनाने की दिशा में कदम बढ़ाने की बात कही सर्व सेवा संघ के युवा सेल के राष्ट्रीय संयोजक भूपेश भूषण ने सभी का आभार व्यक्त किया। अधिवेशन की सफलता के लिए मध्यप्रदेश सर्वोदय मंडल, राष्ट्रीय युवा संगठन, लोक समिति के साथ ही दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

-बागी कलम-

अनूपपुर,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सर्व सेवा संघ (अखिल भारत सर्वोदय मंडल) का 91वां राष्ट्रीय अधिवेशन विरासत, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की संकल्पना के साथ संपन्न हुआ। अधिवेशन में 5 प्रस्ताव पास किए गए जिसमें स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत और गांधी विचार की संस्थाओं को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा संपोषित भाजपा सरकारों द्वारा निरूपित किया जाने की कोशिश का प्रतिवाद किया करने के साथ ही मणिपुर में शांति स्थापना, यूक्रेन रूस, इजरायल और फलस्तीन युद्ध को रोकने और श्रम कानूनों को बहाल करने और किसानों के विरुद्ध दमन चक्र रोकने और उनकी मांगे मंजूर करने संबंधी बातें कहीं गई हैं।

क्षेत्रीय स्तर पर सघन रूप से चलाया जाएगा संवाद कार्यक्रम

समापन वक्तव्य में सर्व सेवा संघ के अध्यक्ष चंदन पाल ने कहा कि गांधी शहादत दिवस 30 जनवरी से लेकर 12 फरवरी 2025 तक पूरे देश भर में सर्वोदय मंडल की ओर से क्षेत्रीय स्तर पर सघन रूप से संवाद कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस क्रम में यात्राओं का भी आयोजन होगा आज जो देश और दुनिया की स्थिति है उससे लोगों को अवगत कराया जाएगा। युद्ध, हिंसा, नफरत और तनाव से मुक्त विश्व समाज के निर्माण के लिए गांधी विचार को अपनाना क्यों जरूरी है यह बताया जाएगा। कार्यक्रम संबंधी सत्र में राम धीरज ने प्रस्ताव विनोबा जयंती 11 सितंबर 2025 को वाराणसी के राजघाट से महात्मा गांधी की समाधि स्थल राजघाट दिल्ली तक एक पदयात्रा निकलेगी जो लखनऊ के होते हुए लगभग 1हजार किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

संस्था को विरूपित करने का प्रयास कर रही सरकार

सर्व सेवा संघ (अखिल भारत सर्वोदय मंडल) के 91 वें अधिवेशन में शामिल प्रतिनिधियों में से 55 प्रमुख लोगों ने उपवास रखकर महात्मा गांधी द्वारा स्थापित गुजरात विद्यापीठ में आरएसएस की दखल के विरुद्ध प्रतिवाद किया। बता दें कि भारतीय बच्चों को ब्रिटिश शिक्षा न लेकर राष्ट्रीय शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। इस विचार से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 1920 में गुजरात विद्यापीठ की स्थापना की थी और इसके पहले कुलाधिपति स्वयं बने थे। उनके बाद सरदार पटेल, राजेंद्र प्रसाद, मोरारजी देसाई, रामलाल पारिख, डॉ. सुशीला नायर, नवल भाई शाह, रवीन्द्र बर्मा, नारायण देसाई, इला भट्ट ने इस महान संस्था के चांसलर के रूप में कार्य किया था। भाजपा सरकारों द्वारा विगत दो वर्षों से इस संस्था को विरूपित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संस्थान को अडानी कंपनी और गुजरात सरकार ने कब्ज़ा कर लिया है। अडानी यहां वर्ल्ड क्लास गांधी हेरिटेज बनाने और एजुकेशन कॉम्प्लेक्स को दूसरी जगह ले जाने की योजना बना रहे हैं।

55 लोगों ने 12 घंटे का रखा उपवास,तुषार गांधी भी ने शामिल

अधिवेशन के दूसरे दिन के पहले सत्र में प्रदेश सर्वोदय मंडलों के अध्यक्ष एवं विभिन्न समितियों के संयोजकों ने कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। गांधी के साबरमती आश्रम, वाराणसी के सर्वोदय साधना केंद्र परिसर को गैर कानूनी तरीके से ध्वस्त कर देने के बाद, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का यहां शिविर गुजरात विद्यापीठ के परिसर में शुरू हो रहा है जिसके विरोध में देश के अलग-अलग हिस्सों से आए प्रतिनिधियों में से प्रमुख 55 लोगों ने आज सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक उपवास रखा। गांधीजी के प्रपौत्र तुषार गांधी ने भी इसका समर्थन किया है।

मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ का निर्वाचन शांतिपूर्ण संपन्न

-संवाददाता-

सूरजपुर,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष बनने का गौरव श्री रामसेवक पैकरा पूर्व गृहमंत्री को प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि आज 23 दिसंबर को मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ का प्रथम निर्वाचन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जिसमें पूर्व गृह मंत्री श्री रामसेवक पैकरा और आजीवन सदस्य श्री ओमप्रकाश दुबे ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा। संवीक्षा के पश्चात श्री ओमप्रकाश दुबे ने अपना नाम वापस ले लिया जिसके परिणाम स्वरूप श्री रामसेवक पैकरा निर्विरोध अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने नव निर्वाचित अध्यक्ष को अपनी शुभकामनाएं दी इसके साथ ही प्रदेश के साथ साथ सूरजपुर जिले व जिलेवासियों का सतत् विकास हो इसके लिए मां कुदरगढी से मनोकामना मांगी। मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ के अध्यक्ष बनने पर श्री रामसेवक पैकरा ने उपस्थित जनों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए, विश्वास दिलाया कि लोक आस्था की देवी मां कुदरगढ़ी में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सर्व सुविधा युक्त वातावरण का निर्माण किया जाएगा ताकि उनका दर्शन सुलभ व सफलतापूर्ण संपन्न हो। उन्होंने कहा ट्रस्ट मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर कार्ययोजना बनायेगा और उसका सफल क्रियान्वयन करेगा।

विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने भी आज के दिन को महत्वपूर्ण क्षण बताया इसके साथ ही उन्होंने कहा मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ के माध्यम से मंदिर व उसके आसपास के क्षेत्र का योजनाबद्ध तरीके से विकास होगा। ट्रस्ट मेला के पूर्व अध्यक्ष श्री भूवन भास्कर प्रताप ने भी पूर्व गृह मंत्री श्री रामसेवक पैकरा को नवीन अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं दी। श्री बाबूलाल अग्रवाल ने अपनी प्रक्रिया प्रदर्शित करते हुए कहा कि आज ट्रस्ट ने पूर्ण आकार ले लिया है जिसे निसंदेह क्षेत्र का क्रमबद्ध विकास होगा। इस अवसर पर कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने भी उपस्थित जनों को संबोधित किया उन्होंने कहा ट्रस्ट के पूर्ण होने पर योजनाबद्ध तरीके से श्रद्धालुओं की इच्छा व आवश्यकता अनुरूप मंदिर व उसके क्षेत्र का विकास होगा। जिसमें आगे भी प्रशासन का सहयोग रहेगा।

इस दौरान ट्रस्ट के निर्वाचन की प्रक्रिया में श्री बाबूलाल अग्रवाल, पूर्व मेला अध्यक्ष भुवन भास्कर प्रताप सिंह, आजीवन सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह, समाजसेवी सुभाष गोयल, रामेश्वर प्रताप सिंह, ठाकुर राजवाड़े, बैगा रामकुमार बंछोर, राजेश महलवाला, प्रकाश दुबे, ओंकार पांडेय, प्रवेश गोयल, बलराम सोनी, राजेश तिवारी, प्रदीप द्विवेदी, आशीष प्रताप सिंह, अजय तिवारी, सावन गोयल, शांतनु प्रताप सिंह, लोकेश गुर्जर, लाल संतोष सिंह, संस्कार अग्रवाल, शंभूदयाल अग्रवाल, प्रमोद जैन, शैलेश अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, सुनील साहू, रंजन सोनी, भोले अग्रवाल, अंशुल गोयल, अमन प्रताप सिंह, कृष्ण कुमार अग्रवाल, दीपेंद्र सिंह चौहान, नेहा तिवारी, मुकेश अग्रवाल, शशांक प्रताप सिंह, हेमेंद्र गुर्जर, अभय प्रताप सिंह, विजय गुर्जर, अभय गुप्ता, प्रशांत अग्रवाल, आयुष गोयल सहित काफी संख्या में मां बागेश्वरी देवी लोक न्याय ट्रस्ट के आजीवन सदस्य ट्रस्टीगण उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन श्री के एम पाठक एवं आभार भैयाथान एसडीएम श्री सागर सिंह ने किया। इसके साथ ही कार्यक्रम में जनपद सीईओ डॉ. नृपेन्द्र सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

दीपका पुलिस द्वारा दीपका खदान से कोयला चोरी करने वाले गिरोह पर की गई कार्यवाही

-संवाददाता-

कोरबा,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू बी एस चौहान, नगर पुलिस अधीक्षक विमल कुमार पाठक के मार्गदर्शन पर लगातार जुआ, सट्टा, आबकारी, नारकोटिक्स एक्ट एवं अवैध गतिविधियों पर कार्यवाही हेतु निर्देशित करने के परिपालन में थाना प्रभारी दीपका प्रेमचंद साहू के नेतृत्व में दीपका पुलिस टीम के द्वारा लगातार कठोर कार्यवाही कि जा रही है। इसी क्रम में दीपका खदान से पिछले दो दिनों से कोयला चोरी करने वाले गिरोह पर कठोर कार्यवाही करने में दीपका पुलिस कोरबा को सफलता प्राप्त हुई है। प्रार्थी सुरक्षा अधिकारी दीपका परियोजना द्वारा थाना दीपका में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि पिछले दो दिनों से दीपका खदान से कोयला बाहर भेजने के लिए चोरी किया जा रहा है और उसे रैकी, दर्रा खाँचा, चैनपुर के आसपास डंप किया जा रहा है। उक्त रिपोर्ट पर थाना दीपका में अपराध पंजीबद्ध कर रिपोर्ट को तत्काल संज्ञान में लेते हुए पुलिस अधीक्षक कोरबा के दिशा निर्देश पर दीपका पुलिस द्वारा उपरोक्त पांचो आरोपियों को पकड़ा गया और बाहर भेजने के लिए अलग-अलग स्थानों में डंप करके रखे पांच टन कोयला को बरामद कर जप्त किया गया है तथा आरोपी (1) नरेश यादव पिता मुकदा यादव उम्र 49 साल साकिन रेकी थाना हरदी बाजार जिला कोरबा छत्तीसगढ़ (2) किशोर यादव पिता लखन यादव उम्र 46 वर्ष साकिन सरायसिंगार थाना हरदी बाजार जिला कोरबा छत्तीसगढ़ (3) अनिल कुमार राठौर पिता राम नारायण राठौर उम्र 36 वर्ष सा डुरलिया बस्ती थाना हरदी बाजार जिला कोरबा छत्तीसगढ़ (4) शत्रुहन लाल यादव पिता स सहोरिक लाल यादव उम्र 47 वर्ष सा कुम्हार मोहल्ला थाना हरदी बाजार जिला कोरबा छत्तीसगढ़ (5) हरनारायण यादव पिता भगत राम यादव उम्र 43 वर्ष सा रेकी थाना हरदी बाजार जिला कोरबा छत्तीसगढ़ को गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 434/24 धारा 303(2), 3(5) BNS के अंतर्गत न्यायिक रिमांड में भेज दिया गया है।

पशु के शव के साथ खिलवाड़ कर रही महिलाओं के खिलाफ हो कानूनी कार्यवाही:शिव मारुति युवा संगठन

-संवाददाता-

अनूपपुर,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम हर्री-बर्री रेलवे क्रासिंग के पास बीती रात नंदी की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। जिसे रेलवे कर्मचारियों ने दफन करने की जगह रेलवे लाइन के किनारे ही फेक दिया। नंदी (सांड) के शव को अगले दिन रविवार की सुबह वहीं नज़दीक में रहने वाली चौधरी महिलाओं के द्वारा नंदी के शव को बड़ी ही निर्दयता से कटा जा रहा था। जैसे ही इसकी सूचना शिव मारुति युवा संगठन को मिली तो संगठन के सदस्यों ने बताए गए स्थान पर पहुंच कर कोतवाली पुलिस अनूपपुर को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचकर कोतवाली प्रभारी अरविन्द जैन ने निरीक्षण किया और किए जा रहे कृत की घोर निंदा की। उन्होंने कहा कि हमारे हिंदू समाज में यह सब नहीं होना चाहिए साथ ही इसके लिए समाज को जागरूक करना होगा। उसके बाद शिव मारुति युवा संगठन ने जेसीबी से गड्ढा खोदकर नंदी के शव का अंतिम संस्कार किया। साथ ही कोतवाली प्रभारी से शिव मारुति युवा संगठन ने इस तरह का घिनौना कृत करने वाली महिलाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 2024122621000 अ-19/2024-25

संजीत सोम प्रति छ0ग0 शासन

सर्वसाधारण ग्राम रविन्द्रनगर रा0नि0मं0 पिलखा तहसील लटोरी जिला-सूरजपुर,छ0ग0 को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री संजीत सोम आ0 विमल सोम निवासी ग्राम रविन्द्रनगर रा0नि0मं0 पिलखा तहसील लटोरी जिला-सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा आवेदक के स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम रविन्द्रनगर, रा0नि0मं0 पिलखा तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा नम्बर 73, 336 रकबा क्रमशः 4.00, 3.00 हे0 भूमि का न्यायालय नायब तहसीलदार सूरजपुर के रा0प्र0क्र0 /अ-19/1989-90 अनुसार आवेदक को पुर्नवास विभाग के तहत शासन से पट्टा प्रदय किया गया था। उक्त भूमि ख0नं0 324/, 377/1, 377/8, 377/9 रकबा क्रमशः 0.26, 0.33,0.14,0.22 हे0 भूमि आवेदक के नाम पर दर्ज है। शासकीय पट्टों पर आबंटित कृषि भूमि का स्वामी स्वामी अधिकार नियम 2023 के प्रावधानों के तहत उपरोक्त भूमि का स्वामी अधिकार प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने हेतु श्रीमान कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष प्रस्तुत करने से जांच प्रतिवेदन की कार्यवाही हेतु इस न्यायालय को प्राप्त होने पर प्रकरण प्रारंभ किया गया।

उक्त भूमि पर जिस किसी को आपत्ति हो तो वह दिनांक 30/12/2024 को स्वतः उपस्थित होकर अपना आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है । नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोईविचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

तहसीलदार
लटोरी,जिला-सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अफ्शाना बानो पत्नी रेयाज अहमद अंसारी जाति जुलाहा निवासी रामानुजगंज तहसील रामानुजगंज जिला बलरामपुर,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 खसरा नंबर 2548/16 रकबा 0.016 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि दिनांक 05/01/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 20/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः. 202410020700206

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्:-2024-25

जगदीशपुर प.ह.नं.00025(हे.)

पक्षकारों का विवरणः-

आवेदक पक्षकार-घरभरन, रामभरोष, दुबेराम,कांति, राजू राजा, शकुंती, मु0 सुमित्रा ,ज्योति,मुं0सोनामती

अनावेदक पक्षकार-कांति,राजू,राजा, शकुंती,,मु0सुमित्रा,ज्योति,मु0सोनामती, घरभरन,रामभरोष,दुबेराम,

ईश्तहार

आवेदक दुबेराम आ0 स्व0स्व0मनराखन व अन्य निवासी ग्राम जगदीशपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा ग्राम जगदीशपुर स्थित भूमि कुल खसरा नंबर 22 कुल रकबा 3.659 हे0 भूमि का उभय पक्षकार के मध्य भागो में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20/01/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/12/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा.प्र.क्र. 202303020700234
अ-27/2022-23

पर्द बटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र0 202303020700234/अ-27/2022-23 पक्षकार दिलीप कुमार गुप्ता प्रति रंजीत कुमार गुप्ता में ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 65/10 रकबा 0.020 हे भूमि का पर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है, जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त पर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/01/2025 को इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा

आज दिनांक 25/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर

C M Y K

क्या कोरिया जिले के बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष के मनोनयन में उम्र छिपाने कूट रचित दस्तावेज में आधार कार्ड का इस्तेमाल किया गया ?

क्या 49 साल के व्यक्ति को 45 साल का साबित करने सही में कूट रचित आधार कार्ड रूपी दस्तावेज प्रस्तुत किया गया ?

क्या वर्तमान कोरिया भाजपा जिलाध्यक्ष ने अपने पसंदीदा मंडल अध्यक्षों के मनोनयन के लिए सभी तरह के हथकंडे अपनाए ?

कोरिया जिले के मंडल अध्यक्षों के मनोनयन को लेकर आई बड़ी खबर,अपात्र को भी किया गया मंडल अध्यक्ष मनोनीतःसूत्र

मंडल अध्यक्ष पद के लिए 45 वर्ष के उम्र तक के ही व्यक्ति को किया जाना था मनोनीत,बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष मनोनीत हुए व्यक्ति की उम्र है 49 वर्षःहै आरोप

मंडल अध्यक्षों के मनोनयन को लेकर यह भी आ रही खबर,जो नहीं करें विरोध और जो हां में हां मिलाएं हमेशा उन्हें ही मिला मौका

निगम मंडल और नए जिलाध्यक्ष को लेकर भी मंडल अध्यक्ष न करें अन्य नाम का प्रस्ताव यह भी थी मंडल अध्यक्ष मनोनयन के लिए योजना

कुल मिलाकर वही मनोनीत हुए मंडल अध्यक्ष जो थे किसी न किसी के लिए समर्पित,जो थे मेहनती और कर्मठ उन्हें नहीं मिला मौका,सूत्रों का दावा

यदि आरोप है सही...और हुई है एक जगह गड़बड़ी तो क्या होगा जिलेभर का मनोनयन निरस्त ?

एक जगह यदि हुई है गड़बड़ी अन्य जगह भी फिर हुआ है खेल यह भी अंदरखाने ही लोग लगा रहे आरोप...

-जिला प्रतिनिधि-

कोरिया,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के 7 मंडलों के मंडल अध्यक्ष मनोनयन को लेकर नई खबर सामने आ रही है। पूरी प्रक्रिया दोषपूर्ण थी और पूरी प्रक्रिया में उन लोगों को उन कर्मठ कार्यकर्ताओं को मौका नहीं दिया गया जो असल मायने में पात्र थे या जिन्हे ही इस बार मंडल अध्यक्ष बनाया जाना था, अपने अपने चहेतों को और हां में हां मिलाने वालों का ही मनोनयन किया गया और उसके लिए कूट रचित दस्तावेज भी इस्तेमाल किए गए और उम्र छिपाने के लिए फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल हुआ अब यह बात सामने आ रही है। यह आरोप सबसे बड़ी बात यह है कि जिला मुख्यालय के बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष के मनोनयन को लेकर सामने आई है। वैसे इस मामले में घटती घटना आरोपों की पुष्टि नहीं करता लेकिन यह आरोप लग रहा है कि बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष का मनोनयन पूरी तरह पार्टी गाइड लाइन के विपरीत जाकर हुआ है और पार्टी की गाइडलाइन जिसके अनुसार मंडल अध्यक्ष के लिए 45 वर्ष की उम्र सीमा तय थी को दरकिनार करने के लिए नया तरीका ढूंढा गया और 49 वर्ष के उम्र के व्यक्ति को मौका देने फर्जी आधार कार्ड का सहारा लिया गया। फर्जी आधार कार्ड में उम्र कम

करके 45 वर्ष का व्यक्ति मनोनीत मंडल अध्यक्ष को बताया गया और इस तरह पार्टी के ही नेतृत्वकर्ताओं ने मंडल अध्यक्ष चुनाव संपन्न कराने की निष्पक्ष कराने की जिन्हे जिम्मेदारी मिली थी उन्होंने पार्टी को ही धता बताने का काम किया। वैसे बैकुंठपुर का मामला यह बताने काफी है यदि आरोप सही है तो की मंडल अध्यक्ष का जिलेभर में मनोनयन दोषपूर्ण प्रकिया अंतर्गत किया गया और अपात्र को योग्य वहीं कर्मठ पर अनर्गल आरोप लगाकर भी उसे अपात्र किया गया।

कोरिया जिले के जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के मंडल अध्यक्ष मनोनयन में यदि आरोपों अनुसार बातें सही हैं और बैकुंठपुर का मंडल अध्यक्ष पार्टी निर्देश के विपरीत 45 की जगह 49 वर्ष का है और उसने उम्र छिपाई है फर्जी आधार कार्ड उसने प्रस्तुत किया है तो फिर यह तय है कि पूरे जिले का मनोनयन झूठा है और मनोनयन में पात्र को अपात्र किया गया है और वरिष्ठों ने भाजपा संगठन प्रदेश प्रभारी के निर्देशों की अवहेलना कर पार्टी की छवि धूमिल की है पार्टी को झूठा साबित किया है। भाजपा में अनुशासन ही उसकी महानता उसकी विशालता का कारण है उसकी नीतियां पार्टी उसके सिद्धांत ही उसकी पहचान हैं। पार्टी की गाइडलाइन के विपरीत जाकर भाजपा में कोई निर्णय लिया जाए और वह स्वीकार हो जाए ऐसा कभी हुआ नहीं है और उसे खारिज ही किया गया है वहीं बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष का मनोनयन कहीं न कहीं पार्टी की छवि को धूमिल करने वाला उसके निर्देशों की अवहेलना करने वाला निर्णय है जिसे पार्टी शायद ही स्वीकार करेगी। बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष मनोनयन को लेकर जो बात सामने आई है उसके अनुसार एक बड़े उम्र के व्यक्ति जो पार्टी गाइडलाइन अनुसार पात्र नहीं था को मंडल अध्यक्ष बनाने के लिए सभी बड़े पदाधिकारी एक जुट एक राय हुए और फिर उन्होंने फर्जी कूटरचित आधार कार्ड का इस्तेमाल करने मनोनीत हुए अध्यक्ष को सहमति दी। वैसे यह आरोप मय दस्तावेज एक व्यक्ति नाम न छापने की शर्त पर लगा रहा है वह एक आधार कार्ड शिकायत के साथ प्रस्तुत कर रहा और उसका दावा है कि अन्य जन्म संबंधी दस्तावेज यदि जांच लिए जाएं पूरा मामला फर्जी सामने आ जाएगा। वैसे यह

आरोप सत्य है या यह दस्तावेज फर्जी है यह पुष्टि हम नहीं करते यह जांच का विषय है। एक मामला सामने आने के बाद अब पूरे कोरिया जिले के मनोनयन पर प्रश्नचिन्ह लगता नजर आ रहा है और यह सवाल उठ रहा है कि क्या आरोप जो लग रहे हैं वह सही है क्या अपात्र ही जिले के मंडल अध्यक्ष मनोनीत किए गए पात्र और कर्मठ को किनारे करने सभी वरिष्ठ एकजुट हुए। वैसे बताया जा रहा है कि निगम मंडल से लेकर जिलाध्यक्ष तक की तैयारी इसी मनोनयन से कर ली गई है और कौन होगा जिलाध्यक्ष कौन निगम मंडल जाएगा यह सबकुछ आपस में बंटवारा हो गया है और मनोनीत मंडल अध्यक्षों पर एहसान है यह बताकर कि पात्र को कैसे अपात्र किया गया उनकी सहमति भी मिल जाएगी रबर स्टाम्प की तरह उनका उपयोग हो जाएगा यह तय कर लिया गया है।

अपने स्वार्थ के लिए पार्टी को गर्त में डालने का प्रयास

यदि कोरिया जिले के जिला मुख्यालय के मंडल अध्यक्ष के उम्र का मामला सही है तब तो यह भी मानना होगा कि पूरे जिले सातों मंडलों के मनोनयन में धांधली हुई है। वही ऐसा करके पार्टी की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है आने वाले समय में पार्टी को गर्त में डालने का प्रयास किया गया है। एक अनुशासित दल में यह पहली बार देखने को मिला है यदि आरोप सही हैं तो की पार्टी की गाइडलाइन को दरकिनार करने किसी को कूट रचित कोई दस्तावेज प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई है। बता दें कि कूट रचित दस्तावेज का मामला पहले ही उठा था और इस कारण जिले में मनोनयन भी विलंब से हुआ और दिखावे के लिए पार्टी ने सभी से आधार कार्ड की छायाप्रति भी प्राप्त की लेकिन मनोनयन के समय इन सभी के विपरीत उन्हीं का मनोनयन हुआ जो अपात्र होकर भी वरिष्ठ के लिए रबर स्टाम्प बनने तैयार थे।

जब उम्र निर्धारित कर दी गई थी तो फिर छेड़छाड़ क्यों ?

मंडल अध्यक्ष पद के लिए भाजपा ने उम्र सीमा तय कर दिया था। मंडल अध्यक्ष के लिए 45 वर्ष की उम्र सीमा तय थी। कोरिया जिले के जिला मुख्यालय में आरोपों अनुसार 49 वर्ष के व्यक्ति को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है। फर्जी आधार कार्ड उसने लगाया है जिसकी अनुमति भी उसे वरिष्ठ भाजपाइयों ने जो मनोनयन के लिए अधिकृत थे ने दी थी। माना जा रहा है वहीं आरोप लग रहा है कि अन्य मंडल अध्यक्ष मामले में भी कई फर्जी दस्तावेज या फर्जी कोई ऐसा दस्तावेज या कोई प्रमाण लगाया गया है जो पात्र को अपात्र करने काफी हो कारगर हो। अब सवाल यह है कि जब पार्टी अनुशासित विश्व में अनुशासित मानी जाने वाली पार्टी में मनोनयन के लिए मापदंड तय थे तब कैसे छेड़छाड़ संभव हुआ कैसे सबकुछ तय हुआ क्योंकि कौन क्या है उम्र क्या है और क्या उसकी असलियत है यह स्थानीय स्तर पर छिपा पाना आसान नहीं ।

बहुत बड़े ख्वाब देख रहे हैं वर्तमान जिला अध्यक्ष

आरोप है कि जिलाध्यक्ष सहित जिले के संगठन के उनके खास लोग बड़े ख्वाब देख रहे हैं। सभी ने इस मनोनयन में रबर स्टाम्प बनकर निर्देश सुनने और पालन करने वाले का चयन आपसी तालमेल से कर लिया है। अब जब उनकी बारी आएगी रबर स्टाम्प बनकर वह उनके काम आयेंगे इसीलिए अपात्र को पात्र किया गया है यह बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष की उम्र वाली बात यदि सही हुई तो सत्य जो जाना जायेगा। कुल मिलाकर जिला अध्यक्ष वर्तमान ने खुद सहित अपने साथ के जिला पदाधिकारियों का जुगाड फिट करने गड़बड़ी की है और कौन क्या बनेगा वह नेमप्लेट तैयार है। वैसे इस समझौते में नगरीय मामलों का भी समझौता हुआ है और नगरीय मामलों में भी वरिष्ठ लोगों ने अपनों को ही धोखा दिया है।।आरोप जारी है जांच की प्रतीक्षा में भाजपाई ही हैं

छत्तीसगढ़ के प्रभारी नितिन नवीन के बातों निर्देशों की भी हुई अवहेलना

छत्तीसगढ़ के प्रभारी नितिन नवीन ने बैठक में साफ निर्देश दिए थे कि जो गाइडलाइन बने हैं उसका पालन होना चाहिए गाइडलाइन के अनुरूप ही काम होगा यदि इसके अनुरूप काम नहीं होता है तो ऐसे में ऐसे मामलों पर कार्यवाही भी की जाएगी पर छत्तीसगढ़ के प्रभारी की बातों को भी कोरिया जिले में दरकिनार करके पार्टी के वरिष्ठ लोगों ने अपने लोगों को मंडल अध्यक्ष बनाने के लिए कहीं उम्र को कम करके दिखाया गया यहां तक की फर्जी तरीके से कूट रचित उम्र बताने के लिए दस्तावेज लगाए गए।वहीं कहीं तो कई नए कंडीशन जोड़े गए जिससे पात्र अपात्र हो जाए।प्रदेश प्रभारी के निर्देशों की अवहेलना यदि हुई है तो जिले के सभी मंडलों के मनोनयन को निरस्त कर पुनः मनोनयन की प्रकिया अपनाई जाए यह पार्टी के अंदरखाने आवाज उठ रही है और अब देखना है कि क्या सच में ऐसा होता है क्या पार्टी निर्देश की अवहेलना कर पार्टी की छवि धूमिल कर किए गए मनोनयन को निरस्त किया जाता है।

वर्तमान जिलाध्यक्ष व तत्कालीन मंडल अध्यक्ष के आगे पटना के भाजपाइयों की भी नहीं चली ?

पटना का मंडल अध्यक्ष पटना से नहीं...अब ग्रामीण से ही चलेगा

जिलाध्यक्ष व मंडल अध्यक्ष की रिश्तेदारी ने आयोग को बनाया पटना का मंडल अध्यक्ष ?

मुंह बाए रह गए पटना के वरिष्ठ भाजपाई अपने कर्मठ कार्यकर्ता को नहीं बना पाए मंडल अध्यक्ष

-जिला प्रतिनिधि-

कोरिया/पटना ,23 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पटना मंडल अध्यक्ष चुनने की जिम्मेदारी पटना के वरिष्ठ भाजपाइयों के कंधे पर थी पर चली जिलाध्यक्ष व उनके रिश्तेदार मंडल अध्यक्ष की,आरएसएस फैक्टर लाकर मंडल अध्यक्ष आयोग बनाने में सफल रहे, और अपने उपलब्धि की गिनाने में लग रहे, वहीं पटना के वरिष्ठ भाजपाई मुंह बाए बैठे रहे, बैकुंठपुर के लोग आए और मंडल अध्यक्ष पटना पर थोप कर चले गए, पटना शहर का मंडल अध्यक्ष कई सालों से नहीं बना है ग्रामीण क्षेत्र से ही भाजपा का पटना मंडल अध्यक्ष बनता आ रहा है। पटना मंडल अध्यक्ष आरएसएस की उपज बात कर पटना को फिर छल दिया गया, जो भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ता थे वह असुर साबित हो गए, पटना 84 के जवाहरलाल गुप्ता, रविशंकर शर्मा,लक्ष्मण राजवाड़े,राजेश सोनी, शंकर सोनी, सत्यम साहू, यह नेता आते हैं और इन नेताओं के पसंद से मंडल अध्यक्ष होना था, पर यह नेता मुंह बाए रह गए और जिलाध्यक्ष व तत्कालीन मंडल अध्यक्ष ने अपना आयोग मंडल अध्यक्ष घोषित कराकर चलते बने, वही पटना से जिससे मंडल अध्यक्ष बना था और वह काफी योग्य भी था पर उसकी योग्यता व पार्टी के प्रति उसकी निष्ठा भी काम नहीं आई। मंडल अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर सिर्फ एक ही बात की चर्चा है कि मंडल अध्यक्ष नहीं रबर स्टैंप बनाया गया है, जबकि मंडल अध्यक्ष कर्मठ कार्यकर्ताओं को बनाना था क्योंकि आगे नगरी निकाय चुनाव है और नगरी निकाय चुनाव में मंडल अध्यक्ष की भूमिका काफी अहम होती है, अब ऐसे में देखना यह होगा कि पटना में पहली बार नगरी निकाय चुनाव का हिस्सा बना है और नगर पंचायत चुनाव होना है ऐसे में पटना से ही मंडल अध्यक्ष का ना बनाना क्या बीजेपी को नगरी निकाय चुनाव में नुकसान तो नहीं पहुंचाएगा?

जिन्हें नाम तय करने की जिम्मेदारी थी वह नहीं निभा पाए अपनी जिम्मेदारी

पटना में काफी कद्दावर भाजपा के नेता है जो कभी बीजेपी के जिलाध्यक्ष रहे तो कोई बीजेपी के जिलाध्यक्ष के दौड़ में रहा, कुछ ऐसे भी नेता है जो वर्तमान में भी जिलाध्यक्ष के दौड़ में है साथी युवा मोर्चा के भी जिलाध्यक्ष के दौड़ में रहे, इसके बावजूद वर्तमान पटना से मंडल अध्यक्ष बना पाने में नाकाम रहे, उनके पास नाम भेजने की जिम्मेदारी थी पर इसके बावजूद वह अपने पटना से एक मंडल अध्यक्ष नहीं बना सके नाम जुड़वाने व नाम तय करने में सिर्फ जिलाध्यक्ष व तत्कालीन मंडल अध्यक्ष की ही चली।

मंडल अध्यक्ष पटना नेताओं के सहमति से बना था पर सहमति सिर्फ औपचारिकता रह गई ?

सिर्फ यह दावा किय जा रहा है की मंडल अध्यक्ष क्षेत्र के स्थानीय नेताओं की सहमति से बना पर यह सहमती सिर्फ औपचारिकता ही मानी जाएगी, क्योंकि जिसे वह बनना चाह रहे थे वह मंडल अध्यक्ष नहीं बन सका, जिस दिन मंडल अध्यक्ष का नाम की घोषणा होनी थी उसे दिन बड़े-बड़े नेता सिर्फ जिलाध्यक्ष का भाषण सुनकर मुंह बाए रह गए और जल्दी से बैठक से बाहर निकाल कर चलते बने।

पटना को कब मिलेगा मंडल अध्यक्ष ?

भले ही भाजपा मंडल पटना के नाम से जाना जाता है पर काफी लंबे समय से खास पटना से मंडल अध्यक्ष नहीं बनाया गया है, इस बार मांग थी कि नगर पंचायत चुनाव होना है इसलिए पटना से ही मंडल अध्यक्ष बनाया जाए, पर इस बार भी वर्तमान जिलाध्यक्ष के दादागिरी देखने को मिली, जिसका परिणाम था कि पटना को फिर इस बार मंडल अध्यक्ष से अछूता रहना पड़ा,संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम नहीं किया गया, सिर्फ अपने स्वार्थ के लिए ऐसे लोगों को मंडल अध्यक्ष बनाया गया, जो उनका अनुशंसा कर उन्हें निगम मंडल में जगह दिला सके जिस वजह से कमजोर लोग ही मंडल अध्यक्ष बन गए और वह कैसे अपने मंडल को मजबूत करेंगे यह भी आगामी समय में देखने को मिलेगा।

जिलाध्यक्ष वर्तमान व तत्कालीन मंडल अध्यक्ष के रिश्तेदारी ने आयोग मंडल अध्यक्ष पटना पर थोपा ?

जिलाध्यक्ष व उनके रिश्तेदार मंडल अध्यक्ष दोनों मिलकर अपनी मनमानी फिर एक बार मंडल अध्यक्ष बनने में चला ली, जिसका नतीजा यह रहा कि पटना से भी ऐसे मंडल अध्यक्ष को चयन किया गया जो काफी सीधा है और पार्टी को संगठित करने में वह मंडल क्षेत्र में होने वाले चुनाव को लेकर उतनी सक्रियता नहीं दिखा पाएगा,अब कम सक्रिय वाले व्यक्ति के ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी डालकर क्या पार्टी को गर्त में डालने का प्रयास किया गया है? और पार्टी को नीचे से ही कमजोर करने का प्रयास मनाना गलत नहीं होगा। जिस व्यक्ति का नाम मंडल अध्यक्ष में था वह व्यक्ति महामंत्री से लेकर काफी समय से भाजपा के लिए कर्मठ कार्यकर्ता है और साथ ही उसे पार्टी के सारे गतिविधियों की जानकारी है और पटना के नगर पंचायत चुनाव में भी उसका अनुभव काम आता पर उसे व्यक्ति को दरकिनार करके व अपमानित करके अपने हित के लिए रबर स्टैंप वाला मंडल अध्यक्ष बना लिया गया?

साहू समाज का एक नेता स्वयं कोरिया भाजपा जिलाध्यक्ष बनने के चक्कर में साहू समाज को मंडल अध्यक्ष से दरकिनार करवा दिया...

सूत्रो की माने तो साहू समाज से पूरे कोरिया जिले में कई अनुभवी व्यक्ति है जो मंडल अध्यक्ष बनने के दावेदार थे, पर एक साहू समाज का व्यक्ति जो अपने आप को भाजपा का जिलाध्यक्ष बनना चाहता है, वह सभी मंडल से साहू समाज के व्यक्तियों को मंडल अध्यक्ष बनने में अडंगा लगा दिया,ताकि वह साहू समाज से सीधे जिलाध्यक्ष बन सके,क्योंकि यदि साहू समाज को कहीं जगह नहीं मिलेगा तो साहू समाज विरोध करेगा जिस चक्कर में वह साहू समाज से भाजपा कोरिया जिलाध्यक्ष बन जाएगा,पर उसका यह चला उसी के समाज के लोग समझ चुके हैं और उसके समाज के लोग ही उसका विरोध कर रहे हैं बैठक में भी उसके इस कृत को लेकर समाज के लोगों में ही खूब नाराजगी देखने को मिली।

संक्षिप्त खबर

विनोद कांबली की हालत बिगड़ी,अस्पताल में करवाया गया भर्ती

नई दिल्ली,23 दिसम्बर 2024। भारतीय टीम के क्रिकेटर विनोद कांबली का अभी सचिन तेंदुलकर के साथ वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह सचिन को अपने बैठने के लिए कहते हैं। दोनों पुराने दोस्त कोच रमाकांत आचरेकर के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में मिले थे। इस कार्यक्रम में भी कांबली की हालत खराब लग रही थी। कांबली का जब तेंदुलकर के साथ वीडियो वायरल हुआ। उसके बाद भारत के लिए वनडे वर्ल्ड कप 1983 का खिताब जीतने वाले सदस्य उनकी मदद के लिए सामने आए। कपिल देव आर्थिक तौर उनकी मदद के लिए तैयार थे। अब फैंस के लिए दिल तोड़ने वाली खबर आई है। कांबली की तबियत अचानक खराब हो गई है और उन्हें ठाणे के प्रगति हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया।

ओलंपिक मेडल जीतकर भारतीय हॉकी टीम ने रचा इतिहास

» बाद में दिग्गज महान गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने ली विदा

नई दिल्ली,23 दिसम्बर 2024। आज के दौर में भले ही क्रिकेट को एक धर्म माना जाता है, लेकिन भारतीय हॉकी टीम ने एक समय लगातार 7 ओलंपिक मेडल जीतकर इतिहास रच दिया था। उस समय हॉकी का फैंस के दिलों में अलग ही क्रेज था। फिर धीरे-धीरे हॉकी का खेल भारत में पिछड़ता गया और उसकी जगह क्रिकेट ने ली। इसके बाद साल आया 2020 तब भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इस खेल को भारत में फिर से जिंदा कर दिया। ओलंपिक के समय हॉकी की अलग ही दीवानगी देखने को मिली। भारतीय टीम यहीं नहीं रुकी और पेरिस ओलंपिक 2024 में भी ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रच दिया।

भारत ने 52 साल बाद दो ओलंपिक में लगातार मेडल

भारतीय हॉकी टीम ने 52 साल बाद ऐसा दिन देखा, जब उसने लगातार दो ओलंपिक में मेडल जीते। भारत ने ओलंपिक 1968 और 1972 में ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। उसके बाद से साल 2024 में जाकर भारतीय टीम के हाथ सफलता लगी। टोक्यो ओलंपिक और पेरिस ओलंपिक भारत के हॉकी इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। ये दो ओलंपिक भारतीय हॉकी के सुनहरे दौर की वापसी के संकेत रहे।

स्पेन को चटाई थी धूल

पेरिस ओलंपिक 2024 में ब्रॉन्ज मेडल मैच के लिए भारतीय हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता था। भारत ने इस मैच में स्पेन को 2-1 से शिकस्त दी। पेरिस ओलंपिक 2024 में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कमाल का प्रदर्शन किया। इन प्लेयर्स की वजह से ही टीम ब्रॉन्ज मेडल जीत पाई। गुजरे ओलंपिक में कप्तान हरमनप्रीत ने कुल 10 गोल किए और उन्होंने विरोधी टीमों को छकाए रखा। भारत के पूल में ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और न्यूजीलैंड जैसी टीमें थीं।

पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद ही महान गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने संन्यास ले लिया और उन्होंने मेडल जीतकर विदाई ली। केरल के एर्नाकुलम में जन्में श्रीजेश ने 2006 साउथ एशियन गेम्स में भारत के लिए डेब्यू किया था और तब से ही वह भारतीय गोल पोस्ट की मजबूत दीवार बने हुए थे। श्रीजेश ने अपने पूरे करियर में 300 से ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेले और 2 बार एशियन गेम्स का गोल्ड मेडल भारतीय टीम के साथ जीता। फिलहाल श्रीजेश जूनियर मेंस हॉकी टीम के हेड कोच की भूमिका निभा रहे हैं। उनका भारतीय हॉकी टीम को दिया गया योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

ओलंपिक में है भारतीय हॉकी टीम का दबदबा

भारतीय हॉकी टीम ओलंपिक के इतिहास की सबसे सफल टीम है, जिसने कुल 13 मैच मेडल जीते हैं। भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में कुल 8 गोल्ड, चार ब्रॉन्ज और एक सिल्वर मेडल जीता है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टीम इंडिया को जीतने होंगे दो मुकाबले

नई दिल्ली,23 दिसम्बर 2024। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की रोचक जंग जारी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बचे हुए दो मैचों से काफी हद तक तस्वीर साफ होने की उम्मीद है। हालांकि हो सकता है कि भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दो मैच हो जाएं और इसके बाद भी पता ना चले कि फाइनल की दो टीमें कौन सी होंगी। खैर, जो भी हो हमें तो बस इस बात पर फोकस करना है कि क्या टीम इंडिया एक बार फिर से फाइनल खेल सकती है। भारतीय टीम को यहां से ऐसा क्या करना होगा कि जो फाइनल के लिए उसकी सीट पक्की हो जाए।

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में साउथ अफ्रीका की टीम टॉप पर

इस वक्त अगर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप यानी डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें टॉप पर नहीं हैं। इस वक्त साउथ अफ्रीका का नंबर एक की कुर्सी पर कब्जा है। साउथ अफ्रीका को अपने घर पर पाकिस्तान से दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इन दो मैचों में से साउथ अफ्रीका की टीम अगर एक भी जीतने में कामयाब हो जाती है तो उसका फाइनल खेलना पक्का हो जाएगा। जो काम उसके लिए बहुत ज्यादा मुश्किल नहीं है। यानी इसके बाद एक स्पॉट बचेगा। माना जा रहा है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक टीम ही फाइनल में जा पाएगी।

भारतीय टीम के दो मैच बाकी,ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी टीम इंडिया

भारतीय टीम के इस साइकल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दो ही मुकाबले बचे हैं और दोनों मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जाएंगे। वहीं बात अगर ऑस्ट्रेलिया की करें तो उसे चार मुकाबले खेलने हैं। दो मैच भारत के खिलाफ और इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम दो मैच खेलने श्रीलंका के दौरे पर जाएगी। अगर टीम इंडिया ने इस सीरीज के बचे हुए दोनों मैच जीत लिए तो फिर भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर लेगी। वहीं अगर एक ही मैच जीतने में कामयाब रही तो मामला फंस जाएगा।

अभी तक फंसा हुआ है विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का पेंच

यहां से भारत और ऑस्ट्रेलिया ने अगर सीरीज का एक एक मैच जीता तो ये सीरीज तो बराबर हो जाएगी, लेकिन डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए मामला फंस जाएगा। ना तो टीम इंडिया रेस से बाहर होगी और ना ही अपनी जगह पक्की कर पाएगी। इसके बाद श्रीलंका बनाम ऑस्ट्रेलिया सीरीज पर सारा दारोमदार होगा। अगर श्रीलंका ने अपने घर पर ऑस्ट्रेलिया को पटकनी दे दी तो इससे श्रीलंका का तो शायद कोई फायदा नहीं होगा, लेकिन टीम इंडिया जगह फाइनल में पहुंच सकती है। फिलहाल तो भारतीय टीम का लक्ष्य यही होगा कि दोनों मैच अपने कब्जे में किए जाएं। लेकिन अगर कुछ गड़बड़ हुआ तो फिर श्रीलंका की टीम काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए नजर आएगी।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम घोषित

नई दिल्ली,23 दिसम्बर 2024। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ 28 दिसंबर से टी-20 सीरीज और उसके बाद 5 जनवरी, 2025 से वनडे सीरीज खेलनी है।इन दोनों घरेलू सीरीज के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीमों का ऐलान किया है।युवा बल्लेबाज बेवॉन जैकब्स को टी-20 टीम में शामिल किया गया है।रचिन रविंद्र, डेरिल मिचेल और मैट हेनरी की टी-20 और वनडे दोनों टीमों में वापसी हुई है। आइए न्यूजीलैंड की टीम पर एक नजर डालते हैं।

जैकब्स को हाल ही में आईपीएल की बड़ी नीलामी में मुंबई इंडियंस ने खरीदा था।उन्होंने सोमवार (23 दिसंबर) को श्रीलंका के खिलाफ अभ्यास मैच में न्यूजीलैंड एकादश के लिए 16 गेंदों पर 39 रन बनाए थे।उन्होंने अब तक 9 टी-20 मैच खेले हैं, जिसमें 33.50 की औसत और 188.73 की स्ट्राइक रेट के साथ 134 रन बनाए हैं।वह सम्भवतः टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अपना डेब्यू कर सकते हैं।

जैक फाउलकेस, मिच हे और टिम रॉबिन्सन की तिकड़ी, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में अपना डेब्यू किया था, पहली बार घरेलू सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं। मिच को वनडे और टी-20 दोनों टीमों में जगह मिली है।विल ओरुके और विल यंग सिर्फ वनडे सीरीज के लिए चुने गए हैं। केन विलियमसन और डेवोन कॉनवे ने खुद को वनडे टीम के अनुपलब्ध लिए रखा है। दरअसल, ये दोनों खिलाड़ी एसए टी-20 लीग में हिस्सा लेंगे। न्यूजीलैंड की टी-20 टीमः मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जैक फाउलकेस, मिच हे, मैट हेनरी, बेवॉन जैकब्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम रॉबिन्सन और नाथन स्मिथ।न्यूजीलैंड की वनडे टीमः मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, मिच हे, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, विल ओरुके, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, नाथन स्मिथ और विल यंग। 28 दिसंबर से टी-20 सीरीज की शुरुआत हो जाएगी। इसके बाद 30 दिसंबर को दूसरा और 2 जनवरी, 2025 को तीसरा टी-20 मैच खेला जाएगा।शुरुआती 2 टी-20 मैच बे ओवल और तीसरा टी-20 सेक्सटन ओवल में होगा।इसके बाद 5 जनवरी को बेसिन रिजर्व में होने वाले मुकाबले से वनडे सीरीज की शुरुआत हो जाएगी।आखिर में 8 जनवरी (सेडन पार्क) को दूसरा और 11 जनवरी (ईडन पार्क) को तीसरा वनडे खेला जाएगा।

भारत और पाकिस्तान का चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबला 23 फरवरी को यूएई में

नई दिल्ली,23 दिसम्बर 2024। भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफ़ी 2025 का मुक़ाबला 23 फ़रवरी को रविवार के दिन यूएई में खेला जाएगा। जैसी उम्मीद थी ठीक वैसा ही हुआ और आख़िरकार पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नक़वी और यूएई के वरिष्ठ मंत्री और अमीरात क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख शेख़ नाहयान अल मुबारक के बीच पाकिस्तान में हुई मुलाक़ात के बाद इस पर मुहर लग गई। पीसीबी के प्रवक्ता आमिर मीर ने बताया, पीसीबी ने यूएई को तटस्थ स्थान के तौर पर चुना है।भारत का पहला मैच 20 फ़रवरी को बांग्लादेश के ख़िलाफ़ और आख़िरी मैच 2 मार्च को न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ खेला जाएगा।

सैम अयूब ने दक्षिण अफ्रीका में लगाया दूसरा वनडे शतक

कोहली की सूची में हुए शामिल

नई दिल्ली,23 दिसम्बर 2024। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को उसकी धरती पर वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप किया और इतिहास में ऐसा करने वाली पहली टीम बनी।यह जीत मुख्य रूप से सैम अयूब के शानदार प्रदर्शन की वजह से मिली, जिन्होंने जोहान्सबर्ग में हुए तीसरे वनडे में शतक बनाया।अयूब ने 94 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 101 रन की पारी खेली।आइए उनके द्वारा बनाए रिकॉर्ड्स के बारे में जानते हैं।

तीसरे वनडे में अयूब का शतक इस सीरीज का उनका दूसरा शतक था।इसके साथ ही वह दक्षिण अफ्रीका में द्विपक्षीय वनडे सीरीज में एक से अधिक शतक लगाने वाले मेहमान बल्लेबाजों में शामिल हो गए। इस सूची में डेविड वार्नर, फखर जमान, जो रूट, केविन पीटरसन और विराट कोहली जैसे महान क्रिकेटर शामिल हैं।जोहान्सबर्ग में वनडे शतक लगाने वाले अन्य एशियाई बल्लेबाज शिखर धवन, फखर जमान, सौरव गांगुली, सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा हैं। पहली पारी में पाकिस्तान ने निर्धारित 47 ओवरों में 308/9 का विशाल स्कोर बनाया। यह मुख्य रूप से अयूब की शानदार पारी की वजह से संभव हुआ।उन्होंने बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान का अच्छा साथ मिलकर क्रमशः 114 और 93 रन की साझेदारी की।बाबर ने 52 रन बनाए, जबकि कप्तान रिजवान ने 53 रन की पारी खेली।दक्षिण अफ्रीका से कगिसो रबाडा ने 3 और मार्को येंसन ने 2 विकेट लिए।लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम ने 80 के स्कोर पर अपने 3 विकेट गंवाए।मध्यक्रम में हेनरिक क्लासेन के 43 गेंदों पर 81 रन के बावजूद प्रोटियाज टीम 42 ओवरों में 271 रन ही बना सकी। आखिरकार पाकिस्तान की टीम ने 36 रनों से जीत (डीएलएस नियम की बदौलत) दर्ज की।पाकिस्तान से सुफियान मुकीम ने 4 विकेट लिए, जबकि शाहीन अफरीदी और नसीम शाह ने 2-2 विकेट लिए।

अयूब ने इस वनडे सीरीज में 3 मैचों में 78.33 की औसत और 96.31 की स्ट्राइक रेट के साथ 235 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। इस सीरीज में उनसे ज्यादा रन सिर्फ क्लासेन (264) ने बनाए।उन्होंने अपने युवा वनडे करियर में अब तक 9 मैच खेले, जिसकी 9 पारियों में 64.37 की औसत और 105.53 की स्ट्राइक रेट से 515 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 3 शतक और 1 अर्धशतक लगाया।

जितेंद्र के गाने में नजर आया बैकग्राउंड डांसर,बना बॉलीवुड का बड़ा स्टार

बॉलीवुड में ऐसे बहुत से एक्टर और एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने बहुत संघर्ष के बाद दर्शकों के बीच अपना नाम बनाया है। इंडस्ट्री में ऐसे जाने कितने ही कलाकार हैं, जिन्होंने फिल्मों में आने से पहले पर्दे के पीछे काम किया और फिर बहुत संघर्ष के बाद अपना नाम बनाया। इसमें किसी ने असिस्टेंट डायरेक्टर तो किसी ने बैकग्राउंड डांसर के तरह पर्दे के पीछे काम किया । करण जौहर, वरुण धवन, सिद्धार्थ मल्होत्रा, रणबीर कपूर, शनाया कपूर,अर्जुन कपूर ने असिस्टेंट डायरेक्टर, तो शाहिद कपूर और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने बैकग्राउंड डांसर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की इंडस्ट्री में ऐसा ही एक और कलाकार है, जिसने बॉलीवुड में बहुत सी हिट फिल्मों में काम किया है और इसने अपने करियर की शुरुआत बतौर बैकग्राउंड डांसर की। सोशल मीडिया पर इस एक्टर की तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें एक्टर जितेंद्र की फिल्म में बैकग्राउंड डांसर के तौर पर नजर आ रहे हैं। क्या आपने इस एक्टर को पहचाना?

फोटो में जितेंद्र संग नजर आ रहे ये एक्टर कोई और नहीं बल्कि मुन्नाभाई एमबीबीएस के सर्किट यानी अरशद वारसी हैं। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीर में अरशद को काले और चमकदार कपड़ों में बैकग्राउंड डांसर के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन, इस दौरान अरशद इतने अलग लगते थे कि आज सिर्फ इस तस्वीर के माध्यम से उन्हें पहचान पाना लगभग नामुमकिन है। अरशद वारसी का कोई डाय हार्ड फैन ही होगा, जो उन्हें हेल्प मी सॉन्ग में स्पॉट कर पाए।फोटो में अरशद के सामने एक्टर जितेंद्र को दिख रहे हैं। इस फिल्म का नाम आग से खेलेंगे जो साल 1989 में आई। इसी फिल्म के गाने हेल्प मी में अरशद वारसी ने जितेंद्र के साथ बतौर बैकग्राउंड डांसर काम किया था। इस फिल्म के डायरेक्टर सुभाष घई हैं। अरशद वारसी ने बॉलीवुड में आने से पहले खूब संघर्ष किया था।

अरशद ने फिल्मों में आने से पहले छोटे-छोटे काम कर अपना गुजारा किया। गरीबी की वजह से ना तो वो अपनी पढ़ाई पूरी कर सके और ना ही घर चला पा रहे थे, ऐसे में उन्होंने फिल्मी दुनिया का रुख किया। अरशद ने संघर्ष के दिनों में फिल्मों में काम करना शुरू किया। इसके अलावा वह छोटी-मोटी जगहों पर डांस किया करते थे और फिर धीरे-धीरे वो फिल्मों में बैकग्राउंड डांसर कि तरह काम करने लगे। अरशद को 2003 में तब पहचान मिली जब उन्होंने राजकुमार हिरानी फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस में मुन्ना भाई (संजय दत्त) के सर्किट के रूप में अभिनय किया , जो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई।

नए नर्क में फंसा हाथीराम चौधरी

दहशत फैलाने आ रही पाताल लोक 2

मोस्ट अवेटेड क्राइम-थ्रिलर सीरीज पाताल लोक के दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रही है। मेकर्स ने सीरीज की प्रीमियर डेट की घोषणा कर दी। लोकप्रिय सीरीज के पहले सीजन ने दर्शकों को खूब एंटरटेन किया था, जिसके बाद से ही दर्शकों के बीच इसके दूसरे सीजन का इंतजार हो रहा था, जो अब खत्म हो गया है। अविनाश अरुण धवरे के निर्देशन में बनी सीरीज नए साल में दर्शकों के बीच दस्तक देगी। पाताल लोक सीजन 2 में जयदीप अहलावत, इश्वाक सिंह और गुल पनाग जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों की वापसी होगी, जबकि तिलोत्तमा शोम, नागेश कुकुनूर और जाह्नू बरुआ जैसे नए कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह क्राइम ड्रामा जनवरी 17, 2025 प्रीमियर के लिए तैयार है।

सीजन 2 के साथ लौट रहा पाताल लोक

सीरीज के पहले सीजन को अपनी जबरदस्त कहानी, अप्रत्याशित मोड़ और रोमांचक थ्रिल के लिए खूब सराहा गया था। हैरान कर देने वाले क्लाइमैक्स ने दर्शकों को न्याय और भ्रष्टाचार के बीच की बारीक रेखा पर सोचने पर मजबूर कर दिया था और पूरी कहानी उन्हें अपनी सीट से बांधे रखती है। अब चर्चित क्राइम थ्रिलर का दूसरा सीजन दर्शकों को एक और भी अंधेरे, गहराई से जुड़ी और जोखिम भरी दुनिया में ले जाने के लिए तैयार है।

और भी खतरनाक अंदाज में होगी पाताल लोक 2 की वापसी

नया सीजन हाथी राम चौधरी और उनकी टीम को एक अज्ञात क्षेत्र में ले जाता है एक खतरनाक 'नया नरक' जो उन्हें पहले से कहीं ज्यादा आजमाएगा। कुछ दिनों पहले ही प्राइम वीडियो की ओर से वेब सीरीज के दूसरे सीजन का जबरदस्त अंदाज में ऐलान किया था। खून से सने हाथीराम चौधरी को देखने के बाद फैंस ने पहले ही अंदाजा लगा लिया था कि मेकर्स इस बार इस सीरीज को और भी खतरनाक अंदाज में दर्शकों के सामने उतारने वाले हैं।

टीजर देख खुश हो गए थे फैन

टीजर वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ हमलावर इंस्पेक्टर हाथी राम चौधरी पर हमला करते हैं। इस हमले में हाथी राम के कान में चोट लगती है और वो सन्न रह जाता है, उसके कान से खून निकलने लगता है। वह किसी तरह निकलने की कोशिश करता है, लेकिन फिर भी हमलावर हाथी राम को धर दबोचते हैं। आगे का प्रोमो और भी इंटेंस है, जो रोमांच को बढ़ा देता है। टीजर से एक बात तो साफ है कि पाताल लोक का दूसरा सीजन पहले की तुलना में और भी खतरनाक होने वाला है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

न्यायिक सेवा भर्ती दिव्यांग आरक्षण में राज्य सरकार ने किया बदलाव

मिलेगा एक प्रतिशत आरक्षण

रायपुर,23 दिसम्बर 2024 (ए)। न्यायिक सेवा में सीधी भर्ती में दिव्यांगों को दिए जाने वाले आरक्षण में राज्य सरकार ने बदलाव किया है। सरकार ने दिव्यांगों को 1 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की है। इसको लेकर बाकायदा राज्य सरकार की तरफ से नोटिफि केशन भी जारी कर दिया गया है।

भागवत का पांच दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरा

रायपुर,23 दिसम्बर 2024 (ए)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का राज्यवार दौरा जारी है। इस कड़ी में वे 27 से 31 दिसंबर तक रायपुर में रहेंगे। यह एक संगठनात्मक दौरा होगा, जिसमें वे कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर संघ को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे।आरएसएस के शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व-निर्भर जीवनशैली और नागरिक कर्तव्यों पर कार्य किया जाएगा।

नक्सलियों ने युवक का अपहरण कर उतारा मौत के घाट

बीजापुर-रायपुर,23 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने साप्ताहिक बाजार से युवक का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी और रेड्डी गांव के पास शव को फेंक दिया। शव के पास से एक पर्चा भी बरामद किया गया है। पर्चे में पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाया गया है। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। यह मामला गंगालूर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, गंगालूर थाना क्षेत्र स्थित रेड्डी गांव में रविवार को लगे साप्ताहिक बाजार में 5 नक्सली पहुंचे थे। सभी लोगों ने पिस्टल और चाकू की नोक पर युवक मुकेश हेमला का अपहरण कर लिया और उसे अपने साथ जंगल में ले गए और उसे मौत के घाट उतार दिया. युवक का शव रेड्डी गांव के पास मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही।

दंपति ने मिलकर युवक को इतना पीटा की हो गई मौत

धमतरी,23 दिसम्बर 2024 (ए)। जिले के ग्राम सिरसिदा में एक दंपति ने धान चोरी का आरोप लगाकर एक युवक को इतना पीटा की उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता ने गांव के ही पुरुष और महिला पर पिटाई करने का आरोप लगाया है। बता दें कि मृतक का नाम कार्तिक पटेल 19 वर्ष ग्राम सिरसिदा निवासी है। मृतक के पिता तुलसी राम पटेल ने कहा कि कुरूद पुलिस को सूचना देने के बाद भी गांव नहीं पहुंची। पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल में शव को लाया गया है। इस मामले में कुरूद एसडीओपी रागिनी मिश्रा ने घटना की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है।

जल्द होंगे त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव

- सरकार ने आरक्षण के लिए जारी किया नया शेड्यूल...
- कलेक्टरों दो दिया एक सप्ताह का टाइम,पंचायत चुनाव के आरक्षण के लिए जारी हुआ आदेश...
- एक सप्ताह में पूरा करना होगा आरक्षण...
- सोमवार को विभाग ने जारी किया आदेश...
- हाल ही में सरकार ने लगाई थी रोक...

रायपुर, 23 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के आरक्षण को लेकर सभी कलेक्टरों को लेटर भेज दिए गए हैं। सोमवार को पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने इस संबंध में लेटर जारी कर दिया है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में आरक्षण की कार्रवाई 30 दिसंबर तक पूरी हो जाएगी। विभाग द्वारा भेजे गए लेटर में सोमवार से ही पंचायत चुनाव के आरक्षण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए कहा गया है। बता दें कि हाल ही में विभाग ने सरपंच पद के चुनाव के आरक्षण प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। विभाग ने अपने लेटर में यह नहीं कहा था कि आरक्षण प्रक्रिया पर रोक क्यों लगाई गई है।

निकाय चुनाव के वार्डों का आरक्षण पूरा

प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव भी होने हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि निकाय चुनाव और पंचायत एक साथ हो सकते हैं। हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। माना जा रहा है कि चुनाव एक साथ होंगे लेकिन अलग-अलग चरणों में आयोजित किए जाएंगे। नगर निगम के चुनाव के वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है। अब पंचायतों की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मेयर का आरक्षण राजधानी रायपुर में होगा।

क्या है त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण प्रक्रिया का शेड्यूल

23 दिसंबर को जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य, सरपंच और पंच पद की कार्रवाई के लिए सूचना का प्रकाशन किया गया ।
28 दिसंबर को जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य, सरपंच और पंच पद के आरक्षण के लिए अधिसूचना का प्रकाशन किया जाएगा।
29 दिसंबर को आरक्षण की जानकारी प्रेषित की जाएगी।
30 दिसंबर को जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए आरक्षण की कार्रवाई की जाएगी।

स्थगित कर दिया गया था त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का आरक्षण

नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायती एक साथ कराए जाने की अटकलें लग रही है। हालांकि इसी बीच पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पंचायत चुनाव में आरक्षण की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। जिसके बाद माना जा रहा था कि चुनाव एक साथ नहीं होंगे। अब पंचायत चुनाव का नया आरक्षण शेड्यूल जारी होने के बाद राज्य में पंचायत चुनाव और नगरीय निकाय चुनाव फिर से एक साथ कराए जाने की अटकलें शुरू हो गई हैं।

भाजपा का संगठन चुनाव : सभी जिलों में बनेंगे नए अध्यक्ष

- रायशुमारी कर सर्वसम्मति से तय होंगे नाम

रायपुर,23 दिसम्बर 2024 (ए)। भाजपा के संगठन चुनाव में मंडल अध्यक्षों के चुनाव के बाद अब सोमवार से जिलाध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। इस समय मंडल अध्यक्षों का चुनाव चल रहा है। अब तक साढ़े तीन सौ से ज्यादा मंडलों के अध्यक्षों का चुनाव हो गया है।सभी स्थानों पर सर्वसम्मति से ही अध्यक्ष बनाए गए हैं। रविवार तक सभी मंडलों के अध्यक्षों का चुनाव हो जाएगा। 476 में से 440 मंडलों का ही अभी चुनाव होगा,बचे मंडलों का चुनाव बाद में होगा।प्रदेश संगठन ने अपने सभी 35 जिला संगठनों में नए अध्यक्ष बनाने का फैसला किया है। यहां पर एक नाम पर सहमति बनाकर सर्वसम्मति से चुनाव होगा। कहीं भी मतदान की स्थिति आने ही नहीं दी जाएगी। भाजपा के संगठन चुनाव बीते माह से चल रहे हैं। सबसे पहले प्रदेश के 24 हजार से ज्यादा बूथों में बूथ कमेटियों का गठन किया गया है। एक-एक बूथ में 25-25 सदस्यों की कमेटी बनी है। किसी बूथ में अध्यक्ष के लिए चुनाव नहीं कराया गया, सभी स्थानों पर सहमति से अध्यक्ष बने हैं। इसके बाद मंडल अध्यक्षों का भी चुनाव लगातार सर्वसम्मति से हो रहा है। मंडलों से लिए तीन-तीन नामों का पैनल तय करने के बाद एक नाम पर सहमति बनाकर मंडल अध्यक्ष बनाए गए हैं। बचे मंडलों के लिए भी यही किया जा रहा है। करीब 35 मंडलों में अलग-अलग कारणों से अभी चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं।रायशुमारी कर बनेंगे जिलाध्यक्षप्रदेश संगठन ने अपने सभी 35 संगठन जिलों में नए अध्यक्ष बनाने का फैसला किया है। प्रदेश में 33 जिले हैं, लेकिन भाजपा के इससे दो ज्यादा संगठन जिले हैं। रायपुर में जहां रायपुर शहर और ग्रामीण जिला है, वहीं दुर्ग में भिलाई अलग जिला है। जिलाध्यक्षों के चुनाव के लिए जिलों के मंडलों की संख्या के हिसाब से मतदाता तय होते हैं। जैसे रायपुर में अब 20 मंडल हो गए हैं तो यहां पर एक मंडल अध्यक्ष और एक मंडल प्रतिनिधि को मिलाकर 40 मतदाता हैं। मतदान की स्थिति में इनको ही मतदान का अधिकार होगा, लेकिन संगठन किसी भी हाल में मतदान नहीं चाहता है। तीन-तीन नामों का पैनल बनेगा। इसके बाद जिलों में रहने वाले प्रदेश और राष्ट्रीय संगठन के पदाधिकारियों, सांसद, विधायकों से रायशुमारी करके एक नाम तय किया जाएगा और बचे दावेदारों को तय नाम पर सहमत कराया जाएगा।

कांग्रेस नेता विनोद तिवारी ने किया मकान पर कब्जा

रिटायर्ड प्रोफेसर ने सीएम से की शिकायत

रायपुर,23 दिसम्बर 2024 (ए)। रिटायर्ड प्रोफेसर ए एम अग्रवाल ने कांग्रेस नेता विनोद तिवारी पर मकान में कब्ज़ा करने का आरोप लगाया है। सीएम विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर न्याय दिलाने की मांग की है। शिकायत पत्र में पीड़ित रिटायर्ड प्रोफेसर ने बताया कि सी.एम.डी. महाविद्यालय, बिलासपुर से अवकाश प्राप्त प्राध्यापक हूं जो अवकाश प्राप्त करने के पश्चात् बिलासपुर में निवासरत हूं। वैसे मैं मूल निवासी रायपुर का हूं जहां मेरा मकान एवं रिश्तेदारी है। नौकरी के दौरान भविष्य में रायपुर में अपने रिश्तेदारों के बीच बसने की इच्छा से मैंने तनख्वाह की बचत राशि जोड़कर बहुमंजिला इमारत डायमंड ट्री, दलदल सिवनी रोड, मोवा, पंडरी, रायपुर में वर्ष 2013 में फ्लैट नं. 302 खरीदा था। इस फ्लैट को कांग्रेस के युवा नेता, विनोद कुमार तिवारी ने कुछ समय के लिये किराये पर लिया था। मेरे रिटायरमेंट के पहले से मैं विनोद तिवारी से लगातार निवेदन कर रहा हूं कि वे मेरा फ्लैट खाली कर दें ताकि मैं अपने परिवार सहित,अपने परिवारजनों के बीच, इस फ्लैट (302, डायमंड ट्री) में परिवार सहित स्थानांतरित हो सकूं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि मेरी उम्र 83 वर्ष और मेरी पत्नी की उम्र लगभग 76 वर्ष की है तथा हम दोनों की देखभाल करने वाला बिलासपुर में कोई नहीं है। अनेक बार विनोद तिवारी से निवेदन करने के बाद भी उन्होंने स्पष्ट कह दिया कि वे फ्लैट खाली नहीं करेंगे तथा किराया भी अत्यंत अनियमित रूप से देते हैं। अभी भी उनकी ओर हजारों रुपयों का किराया बाकी है।

गांजा तस्करी मामला:बेटे के बाद अब दामाद का नाम आया सामने

कांग्रेस नेता को देनी पड़ गई सफाई

रायपुर,23 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में गांजा तस्करी के मामले ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। डोंगरीपाली क्षेत्र में दो दिन पहले गांजे से भरी एक गाड़ी पकड़ी गई थी। यह गाड़ी कांग्रेस के पूर्व विधायक किस्मत लाल नंद के बेटे अंकित के नाम पर रजिस्टर है। इस मुद्दे पर पूर्व विधायक ने एक वीडियो जारी कर अपनी सफाई दी, जिसके बाद राजनीतिक माहौल और भी गरमा गया है।

पूर्व विधायक ने दिया बयान

किस्मत लाल नंद ने वीडियो में कहा कि जिस गाड़ी में गांजा मिला है, वह उनके बेटे के नाम पर रजिस्टर है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी बेटी डीएसपी दिलेश्वरी नंद और दामाद लोकेंद्र नंद का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। पूर्व विधायक ने सफाई देते हुए कहा, 20 तारीख को मैं खुद गाड़ी लेकर गया था, और उसके बाद मेरा दामाद सूर्यानाथ ने गाड़ी चलाई। दामाद को बेवजह इस मामले में घसीटा जा रहा है। ये सभी आरोप बेबुनियाद हैं।इस मामले में पुलिस की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि, इस प्रकरण के बाद राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

एडीजी जीपी सिंह ने की राज्यपाल डेका से मुलाकात

रायपुर,23 दिसम्बर 2024 (ए)। राज्यपाल रमेन डेका से आज राजभवन में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जी.पी. सिंह ने सौजन्य भेंट की। उल्लेखनीय है कि, 1994 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अफसर गुरजिंदर पाल सिंह को छत्तीसगढ़ की पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान एक्सटॉर्शन, आय से अधिक संपत्ति और राजद्रोह का मामला दर्ज हुआ था। इन मामलों के बाद एडीजी जीपी सिंह को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने का प्रस्ताव प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार को भेजा था। इस प्रस्ताव के बाद केंद्र ने उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी थी। इसके बाद जीपी सिंह ने लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और फिर से वापसी कर ली है। आय से अधिक संपत्ति और राजद्रोह के आरोप में उनकी गिरफ्तारी की गई थी। एक जुलाई वर्ष 2021 में एसीबी की टीम ने उनके पुलिस लाइन स्थित सरकारी बंगले के अलावा राजनांदगांव और ओडिशा सहित 15 अन्य ठिकानों पर छापेमारी की थी। जिसमें 10 करोड़ की अघोषित संपत्ति के साथ कई संवेदनशील दस्ते तावेज पाए गए थे। छापे से मिली संपत्ति के आधार पर एसीबी ने एक तरफ जीपी सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में एफआईआर दर्ज किया था। वहीं दूसरी ओर सरकार ने 5 जुलाई को उन्हें सस्पेंड कर 8 जुलाई की रात को उनके खिलाफ राजद्रोह का केस दर्ज किया था।

पुलिस ने गिरफ्तार किया वरिष्ठ माओवादी कैडर प्रभाकर राव

40 साल से सक्रिय था नक्सली संगठन में...

कांकेर,23 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए वरिष्ठ माओवादी कैडर प्रभाकर उर्फ बालमूरी नारायण राव को गिरफ्तार किया है। वह पिछले 40 वर्षों से नक्सल संगठन में सक्रिय था और नक्सली गतिविधियों में अहम भूमिका निभा रहा था। गिरफ्तार नक्सली पर शासन द्वारा 25 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। प्रभाकर राव, जो छत्तीसगढ़ सदस्य है, कई राज्यों में सक्रिय नक्सली नेता के रूप में जाना जाता है। वह ओडिसा, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में प्रमुख माओवादी नेताओं का करीबी सहयोगी रहा है।
उसकी गिरफ्तारी से नक्सल गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। गिरफ्तारी के दौरान, पुलिस ने उसे कांकेर जिले के थाना अंतागढ़ क्षेत्र में 22 दिसंबर 2024 को नाकाबंदी के दौरान पकड़ा। प्रभाकर राव पर पुलिस मुखबिरी के आरोप के साथ-साथ कई अन्य गंभीर अपराधों के मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, प्रभाकर राव नक्सल संगठन में पार्टी सदस्य के रूप में 1984 में भर्ती हुआ था। वह आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, और छत्तीसगढ़ में विभिन्न नक्सली क्षेत्रों में सक्रिय रहा और DKSZC Supply टीम तथा MOPOS (मोबाइल पॉलिटिकल स्कूल) का प्रभारी भी था।

पुलिस अधिकारियों का बयान

पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज, सुन्दरराज पी. ने बताया कि प्रभाकर राव की गिरफ्तारी नक्सल विरोधी अभियान के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता है। उन्होंने कहा, ÷वर्ष 2024 में अब तक 884 माओवादी कैडरों की गिरफ्तारी की जा चुकी है, जो हमारे अभियान को और प्रभावी बना रहे हैं।÷
पुलिस उप महानिरीक्षक कांकेर रेंज अमित तुकाराम कांबले के मार्गदर्शन में, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांकेर आई. के. ऐलेसेला ने इस अभियान को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

सीआरपीएफ कांस्टेबल ने बैरक में लगाई फांसी,विभाग में मचा हड़कंप

बिलासपुर,23 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के न्यायधानी बिलासपुर के भरनी स्थित सीआरपीएफ कैंप में रविवार को एक कांस्टेबल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जवान का शव बैरक में फंदे से लटका हुआ मिला। घटना के बाद से कैंप में सनसनी फैल गई है. मृतक कांस्टेबल असम का निवासी था। आत्महत्या के पीछे की वजह अभी तक साफ नहीं हो पाई है. पुलिस और विभागीय अधिकारी इस मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं। भरनी सीआरपीएफ कैंप में तैनात जवानों के अनुसार, रविवार सुबह जब कुछ जवान ड्यूटी के लिए तैयार हो रहे थे, तब बैरक में उन्होंने अपने एक साथी का शव फंदे से लटका हुआ देखा. इसकी सूचना तुरंत कैंप के अधिकारियों को दी गई। अधिकारियों ने तुरंत पुलिस को बुलाया. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और फंदे से नीचे उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. पुलिस ने बताया कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

मृतक कांस्टेबल असम का रहने वाला था और कुछ महीनों पहले ही उसे भरनी कैंप में तैनात किया गया था. उसकी उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है। साथी जवानों ने बताया कि वह आमतौर पर शांत स्वभाव का था और अपनी निजी जिंदगी के बारे में ज्यादा बात नहीं करता था।पुलिस ने आत्महत्या के संभावित कारणों का पता लगाने के लिए मृतक के सहकर्मियों और अधिकारियों से पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि कहीं मृतक मानसिक तनाव या किसी निजी परेशानी का सामना तो नहीं कर रहा था। सीआरपीएफ कैंप के अधिकारियों का कहना है कि मृतक के परिवार को सूचना दे दी गई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)